राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

विविध संदेश

वर्ष - 15 | अंक-78 | लखनऊ, 29 जनवरी ,गुरूवार 2026 | पृष्ठ-04 | मूल्य-01 रुपए

खबर संक्षेप

रूसी सैनिकों को कपड़े उतारकर पेड़ से बांधा

मॉस्को। यूक्रेन के खिलाफ युद्ध लड़ने से मना करने वाले रूसी सैनिकों को उनके ही कमांडर बहुत बुरी तरह सजा दे रहे हैं। इसके कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। ऐसे ही एक वीडियो में कुछ सैनिकों को कपड़े उतारकर ठंड में पेड़ों से बांध दिया गया है। वे कड़ाके की ठंड में कांपते नजर आते हैं। एक वीडियो में एक सीनियर अधिकारी एक सैनिक के मुंह में जबरदस्ती बर्फ डालता है, जबकि सैनिक माफी मांगता है। अधिकारी उस पर चिल्ला रहे हैं।

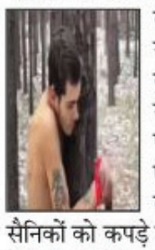

कोरिया में पूर्व फर्स्ट लेडी को 20 महीने की सजा

सिओल। साउथ कोरिया की पूर्व प्रथम महिला किम कियोन ही को रिश्वत मामले में 20 महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। यह फैसला उनके खिलाफ चल रहे तीन मामलों में से एक में आया है। किम, जेल में बंद पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल की पत्नी हैं। सियोल जिला अदालत ने उन्हें विवादित धार्मिक संगठन यूनिफिकेशन चर्च से महंगे तोहफे लेने का दोषी माना। इनमें शैनेल का हैंडबैग और ग्राफ ब्रांड का हीरे का हार शामिल है।

नहीं थम रही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'दादागीरी'

अब क्यूबा को धमकाया, कहा- जल्द गिरेगी सरकार, वेनेजुएला से मिलने वाले पैसे खत्म

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

युद्ध के डर से पेट्रोल पंप और राशन की दुकानों पर लंबी लाइन लग गई

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'दादागिरी' थमती नहीं दिख रही है। वेनेजुएला में तख्तापलट को अभी एक महीना भी नहीं बीता है कि अब अमेरिका की नजर कैरेबियन देश क्यूबा पर जा टिकी है। ट्रंप ने क्यूबा पर हमले की धमकी दी है, जिसके बाद क्यूबा में अफरा-तफरी मच गई है। युद्ध के डर से क्यूबा के पेट्रोल पंप से लेकर राशन की दुकानों पर लोगों की लंबी लाइन लग गई है। दरअसल वेनेजुएला, क्यूबा का सबसे बड़ा तेल का आपूर्तिकर्ता है। ऐसे में ट्रंप का कहना है कि एक बार वेनेजुएला क्यूबा को तेल और पैसा देना बंद कर देगा, तो क्यूबा की सरकार अपने आप गिर जाएगी।

बता दें, 3 जनवरी 2025 को अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला की राजधानी काराकास पर हमला करते हुए राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद से ट्रंप क्यूबा को लगातार धमकी दे रहे हैं। ट्रंप ने क्यूबा के सामने समझौता करने की पेशकश की थी। मगर, ट्रंप की धमकियों पर प्रतिक्रिया देते हुए क्यूबा के राष्ट्रपति मिगेल डियाज कैनेल ने साफ कर दिया है कि हम अमेरिका के सामने घुटने नहीं टेकेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका जबरदस्ती क्यूबा पर दबाव नहीं बना सकता है।

मिगेल डियाज कैनेल

डोनाल्ड ट्रंप

मिनेसोटा में निर्वासन पर जज ने लगाई रोक

अमेरिका में फेडरल जज फ्रेड बियरी ने एक बहुत ही अहम आदेश दिया है जिसमें एक पांच साल के इक्वेडोर बच्चे और उसके पिता को निर्वासित करने से रोक दिया गया है। यह फैसला अमेरिका के दक्षिणी टेक्सास के सत्र न्यायालय में सुनाया गया। पांच साल के लियम कोनेजो रामोस और उनके पिता एड्रियन अलेक्जेंडर कोनेजो एरियस को पहले मिनेसोटा से गिरफ्तार किया गया था। जज फ्रेड बियरी ने कहा है कि जब तक उनके मामले की सुनवाई नहीं हो जाती, तब तक उन्हें निर्वासित या दूसरे स्थान पर भेजा नहीं जा सकता। अब वे दोनों टेक्सास के डिली परिवार डिटेंशन सेंटर में हैं।

टेक्सास में एच-1बी वीजा पर रोक

अमेरिका के टेक्सास राज्य में एच-1बी वीजा को लेकर रिपब्लिकन गवर्नर ग्रेग एबॉट ने राज्य की सभी एजेंसियों और सार्वजनिक विश्वविद्यालयों को अगले साल तक नए एच-1बी वीजा याचिकाएं दायर करने से रोकने का आदेश दिया है। गवर्नर एबॉट का कहना है कि इस अस्थायी रोक से एच-1बी वीजा के लिए 'कानूनी सुरक्षा ढांचा' तैयार करने का समय मिलेगा। इसके साथ ही, कांग्रेस अगर संघीय कानून में कोई बदलाव करती है और ट्रंप प्रशासन जो सुधार लागू करना चाहता है, उन्हें समझने और लागू करने का अवसर भी मिलेगा।

क्यूबा की अर्थव्यवस्था संकट में

क्यूबा पहले से अर्थव्यवस्था संकट में है, बिजली कटौती और तेल की कमी जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। मेक्सिको ने हाल ही में तेल सप्लाई रद्द कर दिया, जिससे क्यूबा की मुश्किलें और बढ़ीं। पर्यटन भी घट गया है, जिससे राजस्व में भारी गिरावट हुई है। अपने गहरे होते ऊर्जा और आर्थिक संकट में, क्यूबा मैक्सिको, रूस और पहले वेनेजुएला जैसे सहयोगियों से मिलने वाली विदेशी सहायता और तेल शिपमेंट पर काफी हद तक निर्भर रहा है।

पेट्रोल पंप पर कारों की कतार

यूएस व्यापार प्रतिनिधि की प्रतिक्रिया

ईयू संग एफटीए से ज्यादा फायदे में रहेगा भारतः ग्रीर

नई दिल्ली (ब्यूरो)। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर की गई महत्वपूर्ण घोषणा के तुरंत बाद अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मैंने भारत और ईयू के बीच हुए व्यापार समझौते की कुछ जानकारी देखी है। मेरे हिसाब से इसका सबसे ज्यादा फायदा भारत को ही होगा। एफटीए भी भारत के ही पक्ष में झुका हुआ नजर आ रहा है। जैसे ही ये समझौता लागू होगा। उसके बाद यूरोपीय बाजारों तक भारत की पहुंच बढ़ेगी यानी वो टॉप पर रहेगा। ग्रीर ने कहा कि अमेरिका द्वारा व्यापार नीति में की गई सख्ती का यह परिणाम है कि ईयू जैसे कई अन्य देश अब दुनिया के बाकी देशों में विकल्पों के रूप में नए बाजार तलाशने लगे हैं।

जैमीसन ग्रीर

भारत तेजी से उभरता बड़ा बाजार

ग्रीर ने कहा कि दुनिया के देश भारत के रूप में एक बड़े और तेजी से उभरते हुए बाजार की तरफ देख रहे हैं। समझौते से लगता है कि ईयू द्वारा भारत को कुछ अतिरिक्त आप्रवासन अधिकार भी दिए जा सकते हैं। ईयू आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन पहले ही यूरोप में भारतीय कर्मियों की गतिशीलता बढ़ाने पर जोर दे चुकी हैं। उधर, ट्रंप प्रशासन ने अपनी नीति में सख्ती करते हुए टैरिफ बढ़ाने जैसे कई फैसले लिए हैं।

यूएस के जंगी जहाजों से घिरा ईरान

समर्थन में आए मुस्लिम देश, कहा हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल नहीं होने देंगे

अमेरिकी युद्धपोत अब्राहम लिंकन

एजेंसी ▶▶ तेहरान

ईरान में विरोध प्रदर्शन शुरू होने के एक महीने बाद ईरान के अधिकारियों ने बुधवार को अमेरिका की तरफ से संभावित सैन्य हमले के खतरे को लेकर मध्य पूर्व के अन्य देशों से संपर्क साधा है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने संकेत दिया है कि वे अपने हवाई क्षेत्र को किसी भी हमले के लिए इस्तेमाल नहीं होने देंगे। हालांकि, अमेरिका ने यूएसएस अब्राहम लिंकन और कई मिसाइल विध्वंसक पोतों को इस क्षेत्र में तैनात कर रखा है, जिनका उपयोग समुद्र से हमले करने के लिए किया जा सकता है। यही कारण है कि ईरान हमले से पहले कूटनीतिक तौर पर तेजी से काम कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर हमले का आदेश देंगे या नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। हालांकि उन्होंने दो लक्ष्मण रेखाएं खींच दी हैं। उन्होंने प्रदर्शनकारियों की हत्या रोकने और गिरफ्तार सभी प्रदर्शनकारियों को छोड़ने को कहा है।

जवाबी कार्रवाई के लिए ईरान तैयार

ट्रंप की धमकियों को देखते हुए ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई के लिए तैयारी तेज कर दी है। ईरान ने यूएसएस अब्राहम लिंकन पर नजर रखने और उसे निशाना बनाने के लिए गाजा ड्रोन तैनात किए हैं, जिनमें से प्रत्येक आठ लेजर-निर्देशित मिसाइलों से लैस है। यूएसएस अब्राहम लिंकन वर्तमान में ओमान के पास, ईरानी तटों से 700 किलोमीटर से अधिक की दूरी पर स्थित है। वहीं, बुधवार को प्रदर्शनकारियों ने बताया कि ईरान की तरफ से प्रदर्शनों पर की गई खूनी कार्रवाई में कम से कम 6,221 लोग मारे गए और कई अन्य लोगों के भी मारे जाने की आशंका है। ईरान का सरकारी मीडिया प्रदर्शनकारियों को केवल आतंकवादी कह रहा है।

मलिकी सत्ता में आए तो समर्थन नहीं देंगे: ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इराक को आगाह किया कि अगर उसके पूर्व पीएम नूरी अल-मलिकी फिर से सत्ता में आते हैं, तो अमेरिका देश का समर्थन नहीं करेगा। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब कुछ दिन पहले 'कोऑर्डिनेशन फ्रेमवर्क' नाम के प्रमुख राजनीतिक गठबंधन ने नूरी अल-मलिकी का समर्थन करने की घोषणा की थी। इस गठबंधन में प्रमुख शिया दल भी शामिल हैं। अमेरिकी प्रशासन नूरी अल-मलिकी को ईरान का करीबी मानता है।

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने की रक्षा सचिव के साथ बैठक

भारत व अमेरिका के दस वर्षीय रक्षा समझौते को बताया मजबूत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने बुधवार को दोनों देशों के बीच रक्षा साझेदारी को मजबूत बताया। उन्होंने कहा कि 2025 में हस्ताक्षर किया गया 10 साल का समझौता दोनों देशों के बीच संबंधों को और गहरा करेगा। अमेरिकी राजदूत ने यह बात रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और दूसरे शीर्ष अधिकारियों के साथ अपनी मीटिंग के बाद कही। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में सर्जियो गोर ने कहा कि पिछले साल ही, अमेरिका और भारत ने 10 साल का डिफेंस पैक्ट साइन किया था, जिससे हमारी रक्षा साझेदारी काफी गहरी होगी। संयुक्त अभियान जारी रहेंगे, और अतिरिक्त सेल्स भी चल रही हैं। यह एक मजबूत रिश्ता है! रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह हमारी मेजबानी करने के लिए धन्यवाद।

राजदूत सर्जियो गोर और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह के बीच बैठक

जयशंकर से भी की मुलाकात

इससे पहले, भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने रविवार को अमेरिकी राजदूत की मौजूदगी में तीन सदस्यों वाले अमेरिकी कांग्रेसनल डेलीगेशन से मुलाकात की। इस प्रतिनिधिमंडल में दो रिपब्लिकन और एक डेमोक्रेट सांसद शामिल थे। बैठक के दौरान भारत-अमेरिका संबंधों के प्रमुख आयामों पर चर्चा हुई, जिसमें द्विपक्षीय व्यापार, रणनीतिक सहयोग और क्षेत्रीय व वैश्विक सुरक्षा से जुड़े मुद्दे प्रमुख रहे। जयशंकर ने अमेरिकी डेलीगेशन के साथ इस मुलाकात को अच्छा बताते हुए एक्स पर लिखा कि भारत-अमेरिका संबंधों, इंडो-पैसिफिक और यूक्रेन विवाद के अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा की। बातचीत हमेशा हमारे रिश्ते का एक अहम पहलू रही है।

दिल्ली में द्विपक्षीय रिश्तों को मिलेगी मजबूती

फरवरी में आएंगे ब्राजील के राष्ट्रपति लूला, एआई सम्मेलन में लेंगे भाग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने पुष्टि की है कि वह फरवरी में आधिकारिक दौरे पर भारत आएंगे। भारत यात्रा के बाद वह अमेरिका जाएंगे, जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे। राष्ट्रपति लूला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बातचीत की है। दोनों नेताओं के बीच इस बात पर सहमति बनी है कि भारत और दक्षिण कोरिया की यात्राओं के बाद फरवरी में वॉशिंगटन में मुलाकात होगी, जिसकी तारीखें जल्द तय की जाएंगी। भारत यात्रा के दौरान राष्ट्रपति लूला के नई दिल्ली में आयोजित होने वाले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) शिखर सम्मेलन में भाग लेने की भी संभावना है। इस शिखर सम्मेलन में वैश्विक तकनीकी सहयोग और उभरती प्रौद्योगिकियों पर चर्चा की जाएगी। इससे पहले इस महीने पीएम नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति लूला के बीच टेलीफोन पर बातचीत हुई थी। दोनों नेताओं ने भारत-ब्राजील रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगे।

पीएम मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति लूला

कोलकाता के गोदाम में लगी आग में 16 लोगों की मौत, 13 लापता, बचाव अभियान जारी

एजेंसी / नई दिल्ली,

कोलकाता , आनंदपुर इलाके में एक गोदाम में लगी आग से कम से कम 16 जले हुए शव बरामद किए गए हैं। अधिकारी अभी भी लापता कम से कम 13 लोगों की तलाश जारी रखे हुए हैं। इस आपदा के बाद आपातकालीन सेवाओं द्वारा बड़े पैमाने पर राहत कार्य शुरू किया गया है। अधिकारियों ने शवों की पहचान करने और त्रासदी से प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने के प्रयासों की पुष्टि की है। तड़के गोदाम में आग लग गई, जो वहां बड़ी मात्रा में ज्वलनशील सामग्री रखे होने के कारण तेजी से फैल गई। दक्षिण 24 परगना के बारुईपुर पुलिस जिले के पुलिस सूत्रों के अनुसार, इमारत के अंदर अभी भी जली हुई हड्डियों के टुकड़े मौजूद हैं, जो तबाही की भयावहता को दशार्ते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, गोदाम में सूखा खाद्य पदार्थ रखा जाता था। सोमवार तड़के करीब 3 बजे आग लगी और

पैकेटबंद सूखे खाद्य पदार्थों और कोल्ड ड्रिंक की बोतलों जैसी ज्वलनशील सामग्री के भंडारण के कारण तेजी से फैल गई। घटना के बाद मंत्री अरूप बिस्वास, सांसद सैनी घोष और सुजीत बोस ने घटनास्थल का दौरा किया। कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर मैं आज यहां आया हूं। यह एक बेहद दुखद घटना है। कई लोगों की जान चली गई है। आग बहुत भीषण थी। दमकल विभाग और पुलिस आग लगने के कारणों और स्त्रोत की जांच कर रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि पहचान स्थापित करने के लिए फोरेंसिक टीमों ने बरामद शवों की जांच शुरू कर दी है। पहचान में अभी भी चुनौतियां हैं, इसलिए गुमशुदा व्यक्तियों की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है और अधिकारी परिजनों के रक्त नमूनों से डीएनए परीक्षण कराने की तैयारी कर रहे हैं। अदालत की मंजूरी के बाद यह प्रक्रिया शुरू होने वाली है। पश्चिम बंगाल सरकार ने प्रत्येक पीड़ित परिवार के लिए 10 लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की है। मेयर फिरहाद हकीम ने पुष्टि करते हुए कहा, ₹मृतकों के परिवारों को 10 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।₹ उन्होंने यह भी बताया कि डीएनए परीक्षण के माध्यम से पहचान की पुष्टि होने के बाद मुआवजा वितरित किया जाएगा।

दो साइक्लिंग टीमें 9 तटीय राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों से गुजरेंगी

सीआईएसएफ 'वंदे मातरम' तटीय साइक्लोथॉन-2026 शुरू

एजेंसी / नई दिल्ली,

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम, नई दिल्ली से सीआईएसएफ की प्रमुख राष्ट्रीय जन-जागरूकता पहल 'वंदे मातरम तटीय साइक्लोथॉन–2026' के दूसरे संस्करण को हरी झंडी दिखाई। यह साइक्लोथॉन राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया है। इसके साथ ही 25 दिनों के विशाल राष्ट्रीय अभियान की औपचारिक शुरुआत हुई।

सीआईएसएफ के 148 साइकिल चालकों की दो टीमें 28 जनवरी से 22 फरवरी तक साइकिल यात्रा करेंगी। पश्चिमी तट की टीम लखपत किले (गुजरात) से तथा पूर्वी तट की टीम बक्काली (पश्चिम बंगाल) से अपनी यात्रा प्रारंभ कर 22 फरवरी को केरल के कोच्चि में एकत्रित होंगी।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने किया शुभारंभ

पूर्वी और पश्चिमी तटों के 6500 किलोमीटर की दूरी तय करेंगी

केंद्र सरकार तटीय सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्ध

झंडा फहराकर साइक्लोथॉन का शुभारंभ करते नित्यानंद राय

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि 'वंदे मातरम' वह अमर गीत है जिसने स्वतंत्रता संग्राम को दिशा दी और आज भी राष्ट्रसेवा की भावना को प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में गृह मंत्रालय तटीय सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और इसमें नागरिकों, विशेषकर तटीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। सीआईएसएफ के महानिदेशक प्रवीर रंजन ने कहा कि वंदे मातरम तटीय साइक्लोथॉन–2026 राष्ट्रीय एकता, बलिदान और सामूहिक संकल्प का प्रतीक है। यह पहल नागरिकों को देश की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनेगी।

52 तटीय गांव गोद लिए जाएंगे

ये टीमें 6,500 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए 9 तटीय राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों से गुजरेंगी। साइक्लोथॉन के दौरान यात्रा 52 तटीय गांवों में रुकेगी, जिन्हें सीआईएसएफ द्वारा एक वर्ष तक सतत सहभागिता के लिए गोद लिया जाएगा। ओएनजीसी, पत्तन प्राधिकरणों और अन्य एजेंसियों के सहयोग से इन गांवों में सीएसआर के तहत सामुदायिक कल्याण और बुनियादी ढांचा विकास से जुड़े कार्य किए जाएंगे। साइक्लोथॉन तटीय क्षेत्रों को सशक्त बनाने, समुदायों को मजबूत करने और एक सतर्क, जिम्मेदार नागरिक समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

50% महिलाओं की भागीदारी

इस अभियान में 50 प्रतिशत महिला साइकिल चालकों की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। यह पहल युवाओं में फिटनेस, अनुशासन, स्वस्थ जीवनशैली और राष्ट्रसेवा की भावना को प्रोत्साहित करती है। साथ ही नशा तस्करी, ड्रग्स और अवैध गतिविधियों के खिलाफ जन-जागरूकता, स्वच्छता अभियान और पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष जोर दिया जाएगा।

केंद्रीय विमानन मंत्री नायडू बोले

10 वर्षों में दोगुनी हुई विमान संख्या एविएशन मैन्युफैक्चरिंग पर फोकस

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने बुधवार को कहा कि भारत में बीते 10 वर्षों में एयरपोर्ट्स और विमानों की संख्या बीते 10 वर्षों में दोगुनी हो गई है और अब भारत विमानों के मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को विकसित करने में मदद करेगा।

उन्होंने हैदराबाद के बेगमपेट एयरपोर्ट पर नागरिक विमान सम्मेलन 'विंग्स इंडिया 2026' का उद्घाटन करते हुए कहा कि इस इकोसिस्टम को अगले 10-20 वर्षों में केवल घरेलू मांग को पूरा करने के लिए ही विकसित नहीं किया जाएगा, बल्कि भारत को वैश्विक

केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू

निर्यात का भी केंद्र बनाया जाएगा। नायडू ने कहा कि इस बार के 'विंग्स इंडिया 2026' में भारत नागरिक विमानन क्षेत्र विशेषकर मैन्युफैक्चरिंग में अपनी क्षमता प्रदर्शित करेगा। देश में एयरपोर्ट्स, यात्रियों और विमानों की संख्या बीते 10 वर्षों में दोगुनी हो गई है। यह पीएम नरेंद्र मोदी के विजन और नागर विमानन क्षेत्र के लिए लाई गई योजना 'उड़ान' का परिणाम है।

सम्पादकीय

वैश्विक व्यापार राजनीति में भारत की बड़ी आर्थिक जीत

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का संपन्न होना भारत की आर्थिक कूटनीति की बड़ी सफलता है। यह समझौता करीब 18 वर्षों की लंबी, जटिल और कई बार की ठहरी हुई बातचीत के बाद हुआ है। यह केवल आयात-निर्यात बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में एक भरोसेमंद, दीर्घकालिक साझेदार के रूप में स्थापित करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। यह समझौता ऐसे समय में सामने आया है, जब वैश्विक व्यापार व्यवस्था अस्थिरता, टैरिफ युद्ध और संरक्षणवादी नीतियों से जूझ रही है। अमेरिका सहित कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं द्वारा लगाए जा रहे शुल्कों के बीच भारत और ईयू का यह करार खुले, नियम-आधारित और भरोसेमंद वैश्विक व्यापार का मजबूत संदेश देता है। भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, जबकि यूरोपीय संघ दूसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति है। दोनों मिलकर वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 25 प्रतिशत, विश्व व्यापार का एक-तिहाई और दुनिया की करीब 30 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे में यह एफटीए स्वाभाविक रूप से दुनिया के सबसे बड़े द्विपक्षीय व्यापार समझौतों में गिना जा रहा है। इससे भारत के श्रम-प्रधान और निर्यात-उन्मुख क्षेत्रों को सबसे अधिक लाभ मिलने की संभावना है। कपड़ा, चमड़ा, जूते, ज्वेलरी, ऑटो पार्ट्स और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों पर यूरोपीय संघ में लगने वाली ड्यूटी कम या समाप्त होने से भारतीय उत्पाद यूरोपीय बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे। इससे भारत का निर्यात बढ़ेगा, औद्योगिक उत्पादन को गति मिलेगी और देश में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन होगा। साथ ही, आईटी और सेवा क्षेत्र को भी यूरोप में बेहतर बाजार पहुंच मिलने से भारत की सेवा अर्थव्यवस्था और मजबूत होगी। इससे 'मेक इन इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित भारत 2047' जैसे दीर्घकालिक लक्ष्यों को ठोस आधार मिलेगा और भारत वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में एक भरोसेमंद केंद्र के रूप में उभरेगा। इसका गहरा रणनीतिक और भू-राजनीतिक महत्व भी है। यूरोपीय संघ को भारत जैसा विशाल, युवा और तेजी से बढ़ता बाजार चाहिए, वहीं भारत को एक नियम-आधारित, तकनीकी रूप से उन्नत और राजनीतिक रूप से स्थिर साझेदार की आवश्यकता है। भारत ने डेयरी, अनाज, कृषि, फार्मिंग और पोल्ट्री जैसे क्षेत्रों को इससे बाहर रखकर अपने किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के हितों की रक्षा भी की है। वहीं, ईयू की लग्जरी कारों पर टैरिफ 110 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत और प्रीमियम शराब पर 150 प्रतिशत से 20 प्रतिशत होना भारतीय उपभोक्ताओं के लिए राहत लेकर आएगा, हालांकि इससे घरेलू उद्योगों पर प्रतिस्पर्धात्मक दबाव बढ़ेगा। इस एफटीए के 2027 में लागू होने की संभावना है, लेकिन असली चुनौती इसके प्रभावी और संतुलित क्रियान्वयन की होगी। गैर-शुल्क बाधाएं, यूरोपीय मानकों की कठोरता और छोटे व मध्यम उद्योगों की सीमित क्षमता जैसी चुनौतियां सामने आ सकती हैं। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस समझौते का लाभ केवल बड़ी कंपनियों तक सीमित न रहे, बल्कि एमएसएमई, स्टार्टअप्स और श्रमिक वर्ग भी इससे समान रूप से लाभान्वित हों। यदि इसे दूरदर्शिता, संतुलन और समावेशी नीतियों के साथ लागू किया गया, तो यह निस्संदेह भारत की विकास यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा।

भारत-ईयू एफटीए
विवेक शुक्ला

भारत और यूरोपीय संघ के बीच यह समझौता केवल एक व्यापारिक करार नहीं है, बल्कि वैश्विक आर्थिक और कूटनीतिक क्षेत्र में एक मील का पत्थर है, जिसे कई बार रोक-टोक और बहस के बाद आज निर्णायक रूप से अंतिम रूप दिया गया है। आने वाले वर्षों में यह समझौता भारत और यूरोपीय देशों के संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकता है। यदि इसे संतुलित और दूरदर्शी तरीके से लागू किया गया, तो यह न केवल दोनों पक्षों के लिए लाभकारी होगा, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी एक सकारात्मक मॉडल प्रस्तुत करेगा। शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और सांस्कृतिक आदान–प्रदान के क्षेत्र में भी इसके सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकते हैं।

वैश्विक चुनौतियों से निपटने की कवायद

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मंगलवार को एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता हुआ है, जिसे दोनों पक्षों ने 'मदर ऑफ ऑल डील्स' (सबसे बड़ी डील) के रूप में वर्णित किया है। यह समझौता लगभग 18 वर्षों से चली आ रही बातचीत का परिणाम है और इसे दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार, निवेश, रणनीतिक सहयोग और वैश्विक अर्थव्यवस्था में गहरे बदलाव लाने वाला एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच यह समझौता केवल एक व्यापारिक करार नहीं है, बल्कि वैश्विक आर्थिक और कूटनीतिक क्षेत्र में एक मील का पत्थर है, जिसे कई बार रोक-टोक और बहस के बाद आज निर्णायक रूप से अंतिम रूप दिया गया है। इसे वैश्विक चुनौतियों से निपटने की कवायद कहना अधिक तर्कसंगत होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे भारत के इतिहास का सबसे बड़ा फ्री ट्रेड एग्रीमेंट बताया है, जो आर्थिक समृद्धि, निवेश और साझेदारी की नई दिशा देगा। इस समझौते के तहत दोनों पक्षों ने ज्यादातर वस्तुओं पर शुल्कों को कम या समाप्त करने का निर्णय लिया है, लगभग 96.6% उत्पादों पर शुल्क समाप्त या कम किया जाएगा। भारतीय बाजार में यूरोपीय कारों पर शुल्क 110% से घटाकर 10% तक लाया जाएगा।

शराब पर शुल्क में भारी कटौती होगी, जिससे ये वस्तुएं भारत में सस्ती होंगी। भारत को अपनी टेक्सटाइल, चमड़ा, रत्न एवं आभूषण, रसायन और इंजीनियरिंग सामान को यूरोपीय बाजार में अधिक आसानी से निर्यात करने का मौका मिलेगा। इस समझौते में केवल व्यापारिक पहलू ही नहीं, बल्कि रणनीतिक और सुरक्षा साझेदारी को भी स्थान दिया गया है, जिसमें समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और रक्षा तकनीक सहयोग शामिल हैं। इससे यूरोपीय कंपनियों को भारत जैसे बड़े और तेजी से बढ़ते हुए बाजार में प्रत्यक्ष और आसान पहुंच। वाहन, मशीनरी, वाइन और मोटर गाड़ियों जैसे उत्पादों को भारतीय बाजार में विस्तृत अवसर मिलेगा। यूरोप को वैश्विक व्यापार में भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी का लाभ। यह समझौता वैश्विक आर्थिक क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव लाएगा, खासकर तब, जब अमेरिका और चीन जैसे बड़े आर्थिक संरचनाएं भी वैश्विक व्यापार नियमों और साझेदारियों में बदलाव ला रहे हैं। विशेष रूप से, अमेरिका द्वारा टैरिफ में वृद्धि और व्यापारिक दबाव के बीच, यह भारत और यूरोप के लिए एक विकल्प और समाधान के रूप में उभर रहा है। इससे विश्वव्यापी व्यापारिक जोखिमों से निपटने में मदद मिलेगी। यद्यपि समझौता आज घोषित हुआ है, इसे लागू होने के लिए अभी कुछ क़ानूनी प्रक्रियाएं और संसद/सम्मेलन की मंजूरी लेनी होगी। कुछ संवेदनशील क्षेत्रों, जैसे कृषि, पर अभी भी बहस जारी रहने की संभावनाएं हैं। विभिन्न उद्योगों को अनुकूल बनाने के लिए समय और नीतिगत समर्थन की आवश्यकता होगी। यह समझौता केवल व्यापार समझौता नहीं, बल्कि भारत और यूरोपीय देशों के बीच गहरे, रणनीतिक, आर्थिक और साझेदारी के नए अध्याय का उद्घाटन है। यह न केवल दोनों अर्थव्यवस्थाओं के लिए, बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता, निवेश, तकनीकी सहयोग और बहुपक्षीय व्यापार ढांचे को भी मजबूती देगा। भविष्य में, इसके लाभ भारतीय उद्योगों, उपभोक्ताओं और निवेशकों को मिलने की उम्मीद है, जिससे भारत को वैश्विक व्यापार का एक मजबूत

नेतृत्वकर्ता देश बनने का अवसर मिलेगा। यह समझौता केवल व्यापारिक सहयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि आर्थिक, रणनीतिक, तकनीकी और वैश्विक साझेदारी के नए आयामों को भी परिभाषित करता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में, जब विश्व अर्थव्यवस्था अनेक चुनौतियों से गुजर रही है, भारत-यूरोप समझौता स्थिरता, विकास और सहयोग का एक सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है। भारत और यूरोपीय देशों के बीच सहयोग का इतिहास कई दशकों पुराना है। यूरोपीय संघ भारत का एक प्रमुख व्यापारिक और निवेश साझेदार रहा है। हालांकि, व्यापक स्तर पर एक औपचारिक और संतुलित समझौते को अंतिम रूप देने में काफी समय लगा। इसके पीछे दोनों पक्षों के अपने-अपने आर्थिक हित, नीतिगत प्राथमिकताएं और संवेदनशील क्षेत्र रहे हैं। यह समझौता लंबी बातचीत, आपसी विश्वास और बदलती वैश्विक परिस्थितियों के अनुरूप सोच का परिणाम है। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य भारत और यूरोपीय देशों के बीच व्यापार को सरल, पारदर्शी और अधिक लाभकारी बनाना है। इसके अंतर्गत वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को बढ़ावा देना, निवेश को प्रोत्साहित करना, तकनीकी सहयोग को सशक्त बनाना और रोजगार के नए अवसर सृजित करना शामिल है। साथ ही, यह समझौता दोनों क्षेत्रों को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक-दूसरे का भरोसेमंद भागीदार बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। समझौते के अंतर्गत दोनों पक्षों ने कई उत्पादों पर आयात-निर्यात शुल्क कम करने या समाप्त करने पर सहमति व्यक्त की है। इससे भारतीय उत्पादों को यूरोपीय बाजारों में अधिक प्रतिस्पर्धी मूल्य पर पहुंचने का अवसर मिलेगा। विशेष रूप से वस्त्र, परिधान, चमड़ा, रत्न एवं आभूषण, कृषि-आधारित उत्पाद, फार्मास्यूटिकल्स और इंजीनियरिंग सामान को इसका लाभ मिलने की संभावना है। दूसरी ओर, यूरोपीय देशों के उच्च गुणवत्ता वाले औद्योगिक उत्पाद, मशीनरी, ऑटोमोबाइल, तकनीकी उपकरण और पर्यावरण अनुकूल वस्तुएं भारतीय बाजार में अधिक सहजता से उपलब्ध होंगी। यह समझौता केवल वस्तुओं तक सीमित नहीं है, बल्कि सेवाक्षेत्र को भी समान महत्व देता है। सूचना प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवाएं, अनुसंधान, शिक्षा, स्वास्थ्य और पेशेवर सेवाओं में सहयोग को प्रोत्साहन मिलेगा। भारतीय आईटी और सेवा कंपनियों को यूरोप में नए अवसर प्राप्त होंगे, जबकि यूरोपीय निवेशकों को भारत के तेजी से बढ़ते सेवा क्षेत्र में निवेश का आकर्षक वातावरण मिलेगा। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए नियमों को सरल और स्पष्ट बनाने पर भी बल दिया गया है। इस समझौते से भारतीय अर्थव्यवस्था को कई स्तरों पर लाभ होने की उम्मीद है।

सबसे पहले, निर्यात में वृद्धि से विदेशी मुद्रा आय बढ़ेगी। दूसरा, घरेलू उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय बाजार से जुड़ने का अवसर मिलेगा, जिससे उनकी गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में सुधार होगा। तीसरा, नए निवेश और परियोजनाओं के माध्यम से रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा, जो भारत जैसे युवा आबादी वाले देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। हालांकि यह समझौता अनेक अवसर लेकर आया है, लेकिन इसके साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हैं। घरेलू उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना एक बड़ी चुनौती होगी। कुछ क्षेत्रों में छोटे और मध्यम उद्यमों को प्रारंभिक दबाव का सामना करना पड़ सकता है। आने वाले वर्षों में यह समझौता भारत और यूरोपीय देशों के संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकता है। यदि इसे संतुलित और दूरदर्शी तरीके से लागू किया गया, तो यह न केवल दोनों पक्षों के लिए लाभकारी होगा, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी एक सकारात्मक मॉडल प्रस्तुत करेगा। शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और सांस्कृतिक आदान–प्रदान के क्षेत्र में भी इसके सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकते हैं।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

यूजीसी बिल
डॉ. घनश्याम बादल

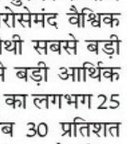

सामाजिक न्याय या संवैधानिक असंतुलन

हाल में लागू किए गए यूजीसी के नए इक्विटी और शिकायत निवारण संबंधी प्रावधानों ने विश्वविद्यालय परिसरों से निकलकर सड़कों, दफ्तरों और सामाजिक चेतना तक को झकझोर दिया है। एक ओर दलित और पिछड़े वर्ग इन नियमों को लंबे समय से चली आ रही संस्थागत उपेक्षा के विरुद्ध सुरक्षा-कवच मान रहे हैं, तो दूसरी ओर सवर्ण समाज का एक बड़ा हिस्सा इन्हें समानता के सिद्धांत के विरुद्ध और "उल्टे भेदभाव" की ओर ले जाने वाला मान रहा है। इस टकराव ने तब और तीखा रूप ले लिया, जब वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी अलंकार अग्निहोत्री द्वारा सार्वजनिक असहमति और इस्तीफे और बाद में शासन द्वारा उन्हें निलंबित करके उनकी आवाज को दबाने के प्रयास ने इसे राष्ट्रीय बहस का रूप दे दिया। हालांकि, यहां यह भी उल्लेखनीय है कि क्या एक सरकार के अधीन कार्य कर रहे उच्च अधिकारी को सरकार की नीतियों के खिलाफ सार्वजनिक रूप से बयान देना चाहिए? नियम अनुसार तो यह सरकारी कर्मचारियों के कोड ऑफ कंडक्ट के विरुद्ध ही जाता है और उन्हें निलंबित करने के पीछे सरकार की मंशा भी साफ है कि वह ऐसी हर आवाज को दबा देना चाहती है जो उसके अपने ही अधिकारी द्वारा उठाई जाए। यह विवाद केवल यूजीसी के किसी एक नियम का नहीं है, बल्कि उस संवैधानिक संतुलन का है, जिस पर भारत की सामाजिक संरचना टिकी हुई है। आंकड़े बताते हैं कि उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव, बहिष्कार, सूक्ष्म अपमान और अवसरों की असमानता आज भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। छात्रावास, शोध निर्देशन, मूल्यांकन और यहां तक कि अनौपचारिक अकादमिक नेटवर्क हर जगह असमान शक्ति-संतुलन मौजूद है।

इस पृष्ठभूमि में इक्विटी सेल, विशेष शिकायत समितियां और संरक्षित प्रक्रिया दलित-पिछड़े वर्गों को राज्य की संवैधानिक जिम्मेदारी का निर्वहन प्रतीत होती हैं। संविधान का अनुच्छेद 15(4) और 15(5) राज्य को यह अधिकार देता है कि वह ऐतिहासिक रूप से वंचित समुदायों के लिए विशेष प्रावधान करे। इस वर्ग का तर्क है कि समानता तब तक खोखली है, जब तक असमान सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियों को बराबर करने के लिए अतिरिक्त सहारा न दिया जाए। उनके लिए यह बहस "समान अवसर" बनाम "विशेष अवसर" की नहीं, बल्कि सम्मान और सुरक्षा की है। वहीं इस संदर्भ में सवर्ण समाज की चिंता को भी दरकिनार नहीं किया जा सकता है। इस यूजीसी बिल के आने से उसके मन में आशंका और असुरक्षा की भावना घर कर रही लगती है, लेकिन इस बहस का दूसरा पक्ष भी उतना ही वास्तविक है। सवर्ण समाज का एक बड़ा तबका मानता है कि नए यूजीसी नियमों में शिकायत तंत्र की संरचना ऐसी है, जिसमें पूर्वाग्रह की आशंका निहित है। अस्पष्ट परिभाषाएं, एकतरफा प्रतिनिधित्व और प्रारंभिक जांच के बिना कार्रवाई की संभावना, ये सभी घटक भय का वातावरण पैदा करते हैं। अब यहां जानना होगा कि आखिर इस प्रतिवाद के पीछे असली प्रश्न क्या है? न्याय या असंतुलन? इस पूरे विवाद का प्रश्न यह नहीं है कि सामाजिक न्याय चाहिए या नहीं, इस पर लगभग सर्वसम्मति है। असली प्रश्न यह है कि सामाजिक न्याय को लागू करते समय संवैधानिक संतुलन कैसे बनाए रखा जाए। यह बात हम सबको ध्यान में रखनी होगी कि संविधान न तो प्रतिशोध का दस्तावेज़ है और न ही किसी वर्ग विशेष की स्थायी ढाल। वह सुधारात्मक न्याय की अनुमति तो देता है, लेकिन बदले में नैसर्गिक न्याय, निष्पक्ष प्रक्रिया और समान गरिमा की भी मांग करता है। यह भी जानना श्रेयस्कर होगा कि इस संघर्ष और ऊहापोह के बीच आगे का रास्ता क्या हो। यूजीसी और सरकार के लिए यह समय आत्ममंथन का है, इसलिए आवश्यक है कि शिकायत तंत्र सभी वर्गों के लिए समान रूप से सुलभ और संतुलित हो।

प्रारंभिक जांच, समयबद्ध प्रक्रिया और अपील की स्पष्ट व्यवस्था हो, अकादमिक स्वतंत्रता और वैचारिक बहस को संरक्षित किया जाए, तथा राज्यों, शिक्षकों और छात्रों से व्यापक परामर्श हो। दूसरी कड़वी सच्चाई यह भी है कि राजनीति लगभग हर क्षेत्र में अपना हित ढूंढने लगती हैं। यूजीसी के नए नियमों पर छिड़ी बहस रेखांकित करती है कि संविधान एक जीवंत दस्तावेज़ है, जो संतुलन, विवेक और संवाद से चलता है। सवर्ण, दलित और पिछड़े तीनों की चिंताएं वास्तविक हैं और तीनों की उपेक्षा लोकतंत्र को कमजोर करेगी। आवश्यकता है कि नीति भावना नहीं, बल्कि संवैधानिक विवेक से चलें, क्योंकि अंततः विश्वविद्यालय किसी एक वर्ग के नहीं, बल्कि पूरे समाज के भविष्य का निर्माण करते हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

शांति से सभी दुखों को खत्म किया जा सकता है

संकलित
दर्शन

हम स्वयं शांति के सर्वश्रेष्ठ प्रहरी हैं। हमें कोई दूसरा व्यक्ति या वस्तु या स्थान शांति दे सकता है, यह एक काल्पनिक विचार है। हम स्वयं शांति से रह सकते हैं और दूसरों को भी शांतिपूर्वक रख सकते हैं। शांति एक मानवीय गुण तो है ही, लेकिन यह आत्मिक शक्ति है। शांति सभी सुखों की मूल है। इससे सभी वैभव एवं ऐश्वर्य की पूर्ति संभव है। शांति द्वारा सभी दुखों का शमन किया जा सकता है। इससे हर रोग का निदान होता है। शांति का माध्यम सभी समस्याओं का समाधान तैयार करता है। शांति ही देश का निर्माण करती है, वहीं अशांति से देश का पतन आरंभ होता है। शांति और अशांति के बीच समाज, समुदाय, वर्ग, कौम, जाति और संस्थाएं गतिहीन हो जाती हैं। देश की उन्नति, विकास और पुनर्निर्माण के लिए शांति का वातावरण अनिवार्य है। शांति एक शब्द मात्र नहीं है। शांति को मन मंदिर में बसाने वाले लोग देव तुल्य होते हैं। इसलिए स्वयं भी शांति के प्रहरी बनिए और दूसरों को भी शांति दूत बनाइए। यही संसार के मंगल का भेद है। शांति से बड़ी कोई दौलत नहीं है। परिवार में शांति एक वट वृक्ष की तरह है, जिसकी छाया में आनंद की अनुभूति पाई जा सकती है। अशांति कालांतर में अग्नि के समान जीवन के हर अंग को भस्म कर देती है। मानवता का मूल इसी शांति के गर्भ में स्थिर है। यदि जीवन को सुख और वैभव से संपन्न करना हो तो निश्चित ही शांति की पूजा करनी होगी। देश में जन सामान्य को शांति के सूत्र अपनाने चाहिए।

ब्रह्माजी को दंड देने के लिए प्रकट हुए थे कालभैरव

संकलित
प्रेरणा

शिवजी के 19 अवतारों में से एक है कालभैरव। भैरव अवतार से जुड़ी कई अलग-अलग मान्यताएं हैं। कुछ मान्यताओं में ब्रह्माजी को दंड देने के लिए शिवजी के क्रोध से कालभैरव प्रकट हुए थे। कालभैरव की उत्पत्ति से जुड़ी सृष्टि की शुरुआत के समय की बहुत प्रचलित कथा है। एक दिन ब्रह्मा जी और विष्णु जी खुद को श्रेष्ठ बताने के चक्कर में विवाद करने लगे। विवाद इतना बढ़ गया कि युद्ध की स्थिति बन गई। उस समय शिवलिंग प्रकट हुआ और शिव जी ने इन दोनों का विवाद शांत किया। उसी समय वहां एक विशाल पुरुष की आकृति प्रकट हुई। ये आकृति शिवजी का ही एक रूप थी। शिव जी ने उससे कहा कि तुम काल के समान हो और भीषण हो। इसी वजह से तुम्हारा नाम कालभैरव होगा। पंचमुखी ब्रह्मा जी बार-बार खुद को श्रेष्ठ बताने की कोशिश कर रहे थे। उस समय ब्रह्मा जी को दंड देने के लिए कालभैरव ने ब्रह्माजी का एक सिर काट दिया था। इस घटना के बाद से ब्रह्मा जी चतुर्मुखी हो गए। शिव जी ने कालभैरव को काशी का नगरपाल बना दिया। कालभैरव की पत्नी भैरवी देवी पार्वती की अवतार हैं। कालभैरव की पूजा में शराब (मदिरा), तामसिक खाना खासतौर पर चढ़ाया जाता है। दरअसल, कालभैरव हमारी बुराइयों को खत्म करने वाले देवता हैं। इनकी पूजा करते समय भक्त नशे की चीजें चढ़ाकर अपनी बुराइयां छोड़ने का संकल्प लेता है। जो लोग इस संकल्प को निभाते हैं, उन्हें भैरव की विशेष कृपा मिलती है।

अंतर्मन

आज की पाती

गणतंत्र के 77 वर्ष

भारत का गणतंत्र 77 वर्ष का हो चुका है। 26 जनवरी 1950 को लागू हुए संविधान ने एक नए भारत की नींव रखी, जो स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानों से प्रेरित थी। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से हमने अनेक क्षेत्रों में प्रगति की– साहित्य, खेल, कृषि, विज्ञान–प्रौद्योगिकी से लेकर आर्थिक–सैन्य क्षमता तक। विविध संस्कृति को मजबूत करते हुए राष्ट्र ने वैश्विक पटल पर अपनी पहचान बनाई। चंद्रयान मिशनों से अंतरिक्ष विज्ञान में अग्रणी बने, यूपीआई जैसी डिजिटल क्रांति ने भुगतान व्यवस्था बदल दी, जबकि ओलंपिक–एशियाड में पदकों की बौछार ने खेलक्षेत्र में नई ऊंचाइयां छुईं। आज विश्व भारत को चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में देखता है, जहां विकास दर ने गरीबी उन्मूलन में योगदान दिया। – *दीपक वर्मा, सरायपाली*

ट्रेंड

सीखने के अवसर

किसी भी शोध संगठन की सबसे बड़ी पूंजी उसके लोग होते हैं। आपके वैज्ञानिक, इंजीनियर और तकनीशियन ही आपकी वास्तविक शक्ति है। उन्हें सीखने के अवसर देने होंगे, नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपनी होगी और उन्हें यह विश्वास दिलाना होगा कि उनके विचारों को सुना जाएगा।
- राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

मुक्त व्यापार समझौता

आज भारत ने अपने इतिहास में अब तक के सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौते को संपन्न किया है। आज 27 तारीख है और ये सुखद संयोग है कि आज ही के दिन, यूरोपीय संघ के 27 देशों के साथ भारत ये एफटीए कर रहा है।
- पीयूष गोयल, केंद्रीय उद्योग मंत्री

पूर्वोत्तर भारत की संस्कृति

सिर्फ राष्ट्रपति भवन में ही नहीं, जब राहुल गांधी असम आए, तब भी उन्होंने गमोछा पहनने से इनकार किया। गांधी परिवार के लिए असम और पूर्वी उत्तर भारत की संस्कृति कोई मायने नहीं रखती।
-हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम

स्वास्थ्य सर्वोपरि

प्रतिस्पर्धा के इस दौर में बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक सुरक्षा सर्वोपरि है। अक्सर बच्चे तनाव और अवसाद के साथ-साथ ऑटिज्म जैसी स्थितियों से भी जूझ रहे होते हैं, जिसे सामान्यतः माता-पिता और शिक्षक भी समय पर पहचान नहीं पाते।
-अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

करंट अफेयर

सिंगापुर में भारत सहित 8 विदेशी मेडिकल डिग्रियों को मान्यता

सिंगापुर में डॉक्टर बनने के इच्छुक छात्र अब भारत के 'मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन' सहित आठ और विदेशी संस्थानों में मेडिकल की पढ़ाई कर सकेंगे। सिंगापुर ने उम्रदराज होती आबादी के कारण डॉक्टरों की बढ़ती मांग को पूरा करने के उद्देश्य से इन विश्वविद्यालयों की डिग्रियों को मान्यता देने का फैसला किया है। स्वास्थ्य मंत्रालय और सिंगापुर चिकित्सा परिषद ने संयुक्त बयान में कहा कि नयी मंजूरी प्राप्त ये संस्थान सिंगापुर को उम्रदराज़ होती जनसंख्या के बीच डॉक्टरों की बढ़ती जरूरत को बेहतर ढंग से पूरा करने में मदद करेंगे। इन आठ विश्वविद्यालयों को शामिल किए जाने के साथ ही एक फरवरी 2026 तक सिंगापुर में मान्यता प्राप्त विदेशी मेडिकल स्कूलों की संख्या 112 से बढ़कर 120 हो गई है। मंत्रालय ने बताया कि उसने चिकित्सा पंजीकरण अधिनियम, 1997 की दूसरी अनुसूची में आठ मेडिकल स्कूलों को जोड़ने संबंधी एसएमसी की सिफारिश को स्वीकार कर लिया है। मणिपाल के अलावा जिन विश्वविद्यालयों को सूची में शामिल किया गया है, उनमें ऑस्ट्रेलिया का एडिलेड विश्वविद्यालय, आयरलैंड का यूनिवर्सिटी ऑफ गॉलवे, मलेशिया का यूनिवर्सिटी सैन्स मलेशिया, पाकिस्तान का आगा खान यूनिवर्सिटी मेडिकल कॉलेज, चीन का त्सिंगहुआ विश्वविद्यालय, ब्रिटेन का यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सेटर और ब्रिटेन का ही सिटी सेंट जॉर्ज़, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन शामिल हैं।

ऑफ बीट

समुद्र में कहां से आते हैं सीप कई जीव भी बनाते हैं कंकाल

सीप बस जीवों के कंकाल ही हैं। लेकिन इंसानों और अधिकतर दूसरे पशुओं से अलग, इन घोंघों, क्लैम, ऑयस्टर और मसेल्स में एक एक्सोस्केलेटन होता है, जिसका मतलब है कि यह उनके शरीर के बाहर होता है। जब सीपियों की बात होती है, तो उनका मतलब आमतौर पर घोंघों जैसे जीवों के बाहरी खोल यानी शेल से होता है। कई दूसरे समुद्री जीव भी कंकाल बनाते हैं, जिनमें सैंड डॉलर जैसे इकाइनोइड्स शामिल हैं जो अंदरूनी कंकाल बनाते हैं। ये समुद्री जीव अपने नरम शरीर को बाहरी खतरों, जैसे शिकारियों या उनके रहने की जगह में होने वाले बदलावों से बचाने के लिए अपने शेल खुद बनाते हैं। शेल इन समुद्री जीवों को समुद्र तल पर स्थिर रहने, बड़ा होने या ज्यादा अच्छे से घूमने में भी मदद कर सकते हैं। इस बाहरी आवरण या शेल बनाने की प्रक्रिया को 'बायोमिनरलाइजेशन' कहते हैं। समुद्री जानवर शेल कैसे बनाते हैं, यह अलग–अलग प्रजातियों के हिसाब से अलग हो सकता है, लेकिन इन सभी जानवरों के शेल बनाने के लिए खास ऊतक होते हैं। अधिकतर समुद्री जीव अपने शेल कैल्शियम कार्बोनेट से बनाते हैं, जो एक मजबूत मिनरल है और लाइमस्टोन में भी पाया जाता है। कुछ स्पंज और सूक्ष्मजीव एक और पदार्थ सिलिका का इस्तेमाल करते हैं।

सुहानी यादों के साथ उत्तरायणी कौथिग विदा

उत्तरायणी कौथिग-2026 रजत जयंती वर्ष के समापन पर लोगों ने की खरीदारी

संवाददाता

लखनऊ। पंद्रहवें दिन सफल आयोजन की खुशी और समापन दिवस की मायुसी लिए सम्पन्न हुआ। सुबह से ही पर्वतीय महापरिषद के पदाधिकारियों कर्मठ कार्यकर्ताओं व लखनऊ के विभिन्न क्षेत्रों से आगंतुको का जमावड़ा पंडित गोविन्द बल्लभ पंत पर्वतीय सांस्कृतिक उपवन बीरबल साहनी मार्ग स्थित कौथिग प्रागंण में एकत्रित होने लगा, जो अबतक उत्तराखण्डी खाद्य व अन्य उत्पाद नहीं खरीद पाए थे, वे अंतिम दिन होने के कारण स्टॉलों से जमकर खरीददारी करते नजर आये। मेला आयोजकों के एक ही सुर थे कि विशाल कौथिग की सतरंगी संस्कृति, उत्साही आगंतुकों के हर्षोल्लास और मेले की तमाम महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों के बीच 15 दिन कैसे गुजरे पता ही नहीं चला।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की बेला में बुधवार को स्टार नाईट का आयोजन किया गया जिसमें मेहमान कलाकार लोकगायक राकेश खनवाल, फौजी ललित मोहन जोशी, हेमा नेगी करासी, हरू जोशी एवं लोकअभिनायक लच्छू की प्रस्तुतियों का जनमानस ने खूब लुफ्त उठाया। हेमा नेगी करासी द्वारा गाये भगवान बद्रीविशाल स्तुति, जाग नंदा पाणी का पैडल्ओं, जाग नंदा ह्यू का हिवालौ, ऊंचा डांडा कांठ मां तेरा तम्बू तड़िग्या, मेरी बामणी बामणी, धन हो तुम्हारी जजमनी गीत श्रोताओं द्वारा खूब सराहे गये। पुरस्कार एवं सम्मान की बेला में आज खेल, मेधावी, वृद्ध दंपति, गायन, नृत्य, चित्रकला, व्यंजन खानपान, निबंध, ऐपण, छपेली एवं झोड़ा इत्यादि प्रतियोगिताओं के पुरूस्कार प्रदान किये गये ।

हेमा पाठक फुटबॉल खिलाड़ी को एवं 25 विशिष्ट जनों को विभिन्न क्षेत्रों में उनके योगदान हेतु रजत जयंती अवार्ड से सम्मानित किया गया। पदाधिकारियों द्वारा अध्यक्ष गणेश चन्द्र जोशी को बेस्ट अचीवर व महासचिव महेन्द्र सिंह रावत को श्रेष्ठतम परिकल्पनाकार पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मेले को सफल बनाने में मोहन सिंह मोना, विशन दत्त जोशी, कृपाल सिंह रावत, महेन्द्र सिंह मेहता, लक्ष्मण सिंह धामी, आनन्द भण्डारी, के एन पाण्डेय, शंकर पाण्डेय, बसन्त भट्ट, महेन्द्र पंत, गोविन्द बोरा, देवेन्द्र मिश्रा, उमेद सिंह द्योपा, ख्याली सिंह, आनन्द कपकोटी, गोपाल सिंह गैलाकोटी, हरीश काण्डपाल, पीसी पंत, एनके उपाध्याय, डॉ आरसी पंत, डीडी नयाल, सुमन रावत, मंजू पडेलिया, जानकी अधिकारी, चित्रा काण्डपाल, प्रेम सिंह फर्सवाण, कैलाश बिनवाल, सुनील किमोठी, संजय पाण्डेय, वीरेन्द्र आर्या, प्रदीप बिष्ट इत्यादि का आपार सहयोग प्राप्त हुआ। उत्तरायणी कौथिग 2026 का समापन मुख्य अतिथि विधायक ओपी श्रीवास्तव ने किया।

अवध शक्ति सम्मान से विदुषी महिलाएं सम्मानित

संवाददाता

लखनऊ। अवध लेडिज क्लब लखनऊ के द्वारा अवध शक्ति सम्मान 2026 से कला, साहित्य, चिकित्सा के क्षेत्र मे कार्य करने वाली अवध के साहित्य और महिलाओ को सम्मानित किया गया। अर्चना गुप्ता के मंच संचालन मे कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. विद्या बिन्दु सिंह, विशिष्ट अतिथि पूर्णिमा पाण्डे ने सम्मानित किया। क्लब की अध्यक्ष ज्योति कौल ने जानकारी देते हुए बताया कि नब्बे वर्ष के उत्सव का यह पहला आयोजन है।

अवध के नवाबों और बेगमों ने महिलाओं की सहभागिता को स्वतंत्रता संग्राम मे सुनिश्चित करने और महिलाओं को घर से ही सहयोग करने की प्रेरणा के साथ इस अवध लेडिज कलब की 1936 मे इसकी स्थापना की गयी थी। जो अपने नब्बे वर्ष पूर्ण करने की ओर अग्रसर है। पुरानी से लेकर वर्तमान मे महिलाओ की भागीदारी प्रत्येक श्रेत्र मे है सभी क्षेत्रों मे श्रेष्ठ प्रदर्शन भी कर रही है, जिसमे क्लब की महिलाओ की भागीदारी रहती है। अतः क्लब प्रत्येक वर्ष महिलाओ को उनकी विशिष्टता के आधार पर चयनित करके सम्मानित किया जाता है।

सचिव मनोरमा मिश्रा ने क्लब के इतिहास की जानकारी देते हुए बताया कि क्लब की साहित्यिक समाजिक, सांस्कृतिक, सभी कार्यो मे अपनी भागीदारी सुनिश्चित करती है।

मीरा गर्ग को नाटय और संस्कृति क्षेत्र मे विशिष्ट योगदान, वीना चतुर्वेदी, शीला तिवारी को सामाजिक उत्थान एव चैरिटी के लिए, आशा तिवारी को सामाजिक कार्यो के साथ क्लब के प्रत्येक कार्यो मे सहयोग के लिए, दूरदर्शन आकाशवाणी के साथ सम्मानित मंचो पर लोक गायन के क्षेत्र मे सक्रिय इंदु सारस्वत को, लेखन के क्षेत्र में लेखिका डॉ किरण दयाल को विशिष्ट लेखन शैली से साहित्य मे विशिष्ट पहचान बना चुकी, चिकित्सा सेवाओं से समाज में आम जन को लाभान्वित करने के लिए अपना स्थान सभी के हृदय मे बनाने के लिए डॉ सरोजनी सक्सेना को सम्मानित किया गया।

लालच न करने का संदेश दे गया नाटक फितूर

संवाददाता

लखनऊ। संस्कृतिक निदेशालय के सहयोग से सफर फाउण्डेशन की प्रस्तुति फितूर नाटक का मंचन उद्यान भवन प्रेक्षागृह में किया गया। निर्देशन व लेखन मोहम्मद अनवर बेग ने किया।

नाटक फितूर समकालीन समाज में तेजी से बढ़ते अपराध, लालच और मानसिक विकृति पर आधारित एक सशक्त सामाजिक नाट्य प्रस्तुति है। यह कथा चार अपराधियों के एक ऐसे गिरोह की कहानी कहती है जो एक सुंदर युवती की सहायता से धनवान और प्रभावशाली लोगों को अपने जाल में फंसाता है। यह गिरोह पहले शिकार को प्रेम और आकर्षण के माध्यम से भ्रमित करता है फिर उसका अपहरण कर भारी फिरौती की मांग करता है और फिरौती मिलने के बाद भी निर्दयता से उसकी हत्या कर देता है।

कहानी में नया मोड तब आता है जब गिरोह एक युवती की चतुराई और हुस्न के सहारे एक उच्च पदस्थ सरकारी अधिकारी समझकर एक व्यक्ति को फंसा लेता है। उसे एक सुनसान फ्लैट में ले जाकर पहले से मौजूद लड़की के साथ मिलकर उसका अपहरण किया जाता है। बाद में यह रहस्य खुलता है कि वह व्यक्ति कोई बड़ा अधिकारी नहीं बल्कि एक सरकारी अधिकारी का ड्राइवर है। इस सच्चाई के सामने आने के बाद गिरोह असमंजस में पड़ जाता है और अंतत उससे कम फिरौती लेने का निर्णय करता है।

परिस्थितियों के दबाव और अपनी जान बचाने के लिए वह व्यक्ति भारी जोखिम उठाकर गिरोह की शर्त मान लेता है। किंतु जैसे-जैसे समय बीतता है अपराधियों के बीच अविश्वास लालच और स्वार्थ बढने लगता है। यही आपसी मतभेद धीरे-धीरे उन्हें एक-दूसरे का दुश्मन बना देता है। अंततः एक अप्रत्याशित घटना के बाद लालच और फितूर के कारण चारों अपराधी आपस में ही एक-दूसरे की हत्या कर देते हैं। नाटक का संदेश अत्यंत स्पष्ट है कि अपराध, नशा हनीट्रैप और त्वरित धन की लालसा अतत विनाश की ओर ही ले जाती है।

यह नाटक केवल युवाओं को ही नहीं बल्कि सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी सतर्क करता है कि वे अपने पद, प्रतिष्ठा और निजी जीवन में सावधानी बरतें तथा किसी भी प्रकार के प्रलोभन छल या आपराधिक षड्यंत्र का शिकार न बनें। 'फितूर सामाजिक चेतना जागृत करने वाला, सस्पेंस और थ्रिल से भरपूर एक प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुति है।

प्रभावी संगीत के लिए भाव होना जरूरी : प्रो. संजय सिंह

- संत गाडगे अकादमी में सम्पन्न हुआ यूपीएसएनए प्रादेशिक संगीत प्रतियोगिता, हुआ पुरस्कार वितरण समारोह

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी की ओर से आयोजित उल्लास उत्सव के अंतर्गत बुधवार को अकादमी के संत गाडगे जी ऑडिटोरियम में शास्त्रीय एवं सुगम की प्रादेशिक संगीत प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह 2025-26 आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो संजय सिंह मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सहित अकादमी के अध्यक्ष प्रो जयंत खोत, उपाध्यक्ष विभा सिंह, ललित कला अकादमी क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के सचिव डॉ देवेंद्र कुमार त्रिपाठी और निदेशक डॉ शोभित कुमार नाहर ने दीप प्रज्वलित किया। मुख्य अतिथि के सम्मान के बाद पुरस्कारों का वितरण किया गया। इस अवसर विशिष्ट अतिथि के रूप में ललित कला अकादमी क्षेत्रीय केंद्र, लखनऊ के सचिव, डा. देवेंद्र कुमार त्रिपाठी भी उपस्थित रहे। इन सभी विशिष्ट जनों की उपस्थिति में पुरस्कारों का वितरण किया गया।

इस समारोह में डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो संजय सिंह ने कहा कि प्रभावी संगीत के लिए केवल स्वर और लय ही काफी नहीं है। इसके लिए भाव होना भी बहुत जरूरी है। भारतीय संगीत केवल मनोरंजन के लिए नहीं है। संगीत से साधना की प्राप्ति संभव है। यहां के राग न केवल ऋतु आधारित है बल्कि उनके लिए निश्चित समय भी निर्धारित किया गया है। भारतीय संगीत साक्षी है कि इसके रागों से अग्नि प्रज्वलित की जा सकती है वहीं मेघों से बरसात करवायी जा सकती है। यही नहीं पत्थर तक पिघलाए जा सकते हैं इसलिए संगीत के नियमित रियाज की जरूरत है जिससे आप उसमें सिद्ध हो सकें। भारतीय संगीत में आधुनिक विज्ञान भी समाहित है। अच्छे संगीतज्ञ बनने के लिए जरूरी है कि आप स्वस्थ रहे और सभी व्याधियों से मुक्त रहे।

उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष प्रो जयंत खोत ने इस अवसर पर बताया कि अकादमी द्वारा वर्ष 2024-25 में सम्भागीय शास्त्रीय प्रतियोगिता का स्वर्ण जयन्ती वर्ष था, जिसमें शास्त्रीय संगीत के साथ सुगम संगीत-गजल और भजन, को भी शामिल करते हुए इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश के 18 सम्भाग के 21 केन्द्रों पर लगभग 900 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

वर्ष 2025-26 में आयोजित सम्भागीय शास्त्रीय एवं सुगम संगीत प्रतियोगिता के 18 सम्भाग के 23 केंद्रों में लगभग 1100 प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़ कर सक्रिय भागीदारी की। प्रतिभागियों के उत्साह को देखते हुए इस साल दो नये केंद्र लखीमपुर और फरुखाबाद को जोड़ा गया। यह प्रतियोगिता तीन वर्गों में हुई जिसमें बाल वर्ग में उन प्रतिभागियों को शामिल किया गया था जिनकी आयु 31 जुलाई को 8 वर्ष से कम किन्तु 14 वर्ष से अधिक न हो। इस क्रम में किशोर वर्ग में 31 जुलाई को 14 वर्ष से अधिक हो किन्तु 20 वर्ष से अधिक न हो वहीं युवा वर्ग में 31 जुलाई को 20 वर्ष से अधिक हो किन्तु 25 वर्ष से अधिक न हो। इस प्रतियोगिता के गायन वर्ग में ख्याल-तराना, ध्रुपद-धमार, ठुमरी-दादरा, तंत्र वाद्यों में वीणा, सितार, सरोद, गिटार, मंडोलिन एवं संतूर, गज वाद्यों में वायलिन, सारंगी, इसराज, दिलरुबा, सुषिर वाद्य में बांसुरी, शहनाई, क्लेरीनेट, अवनद्ध वाद्य में तबला, पखावज, नृत्य में कथक, सुगम संगीत में भजन और गजल को शामिल किया गया है।

उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के उपाध्यक्ष विभा सिंह ने कहा कि कलाकार भारतीय संस्कृति की आत्मा को जीवित रखते हैं। यह हमें समाज से जोड़ती, विचारों को जागृत करती है और मानवीय मूल्यों को स्थापित करती है। इस दिशा में उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी का योगदान अत्यंत सराहनीय रहा है। अकादमी परंपरा और आधुनिकता के बीच सेतु का महती दायित्व अदा कर रही है। कला में ही जीवन का वास्तविक उल्लास निहित है।

रुक्मणि विवाह और सुदामा चरित की कथा सुनकर श्रोता भावविभोर

- आज भव्य भंडारा व प्रसाद वितरण

संवाददाता

लखनऊ। समता पार्क इंदिरा नगर ए ब्लाक में भव्य तृतीय संगीतमय श्री मद भागवत कथा का गुणगान हो रहा है। पिछली 22 तारीख से आज छठे दिन भी श्रोताओं की भारी भीड़ कथा सुनने को दीवानों की तरह समूह में जुट रही है। आयोजक समता पार्क समित के महामंत्री रमेश कुमार अवस्थी ने आज बताया कि श्री मद भागवत कथा का गुणगान श्री धाम अयोध्या के कथा वाचक पं अक्षय शास्त्री महाराज के मुखारबिंद द्वारा किया जा रहा है।

प्रथम दिन कथा शुभारंभ के पूर्व भव्य कलश यात्रा निकाली गई जिसमें आम स्थानीय भक्त भारी संख्या में सम्मिलित हुए। उन्होंने बताया कि लगातार हर वर्ष की भांति इस बार भी एकता समित के तत्वावधान में तृतीय श्री मद भागवत कथा का आयोजन जनता की बेहद मांग पर किया गया है।

कृष्ण जन्म, बाल्यकाल, रुकमणि विवाह और सुदामा चरित्र का जीवंत चित्रण लोगों को बहुत हतप्रभ करनें जैसा वातावरण बना। आज रुकमणि विवाह में महिलाओं की भारी तादात रही भगवान के विवाह गीत पर अक्षय शास्त्री जी महाराज के द्वारा गाए गाए गीतों में भरा पूरा पंडाल झूम उठा मानो कोई भव्य उत्सव मचल उठा हो।

क्रम वार महिलाएं रुकमणि जी के दर्शन को टूट पड़ी। सभी भक्त उनके दर्शन को जिज्ञासा भरी निगाहों से निहारते नजर आ रहे थे। कोई उनके चरण पूजने कोई भक्ति रस में डूबा हुआ झूमता नजर आ रहा था। भगवत कथा प्रस्थान के बाद भव्य भंडारे का आयोजन किया गया है। समित के पदाधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि लोगों को प्रसाद वितरण सुचारु रूप से हो पाए इसके लिए समित के अन्य सदस्यों को अलग अलग जिम्मेदारी सौंपी गई है।

30 साल बाद शनि-सूर्य आयेंगे एक साथ, तीन राशियों के लिए शुभ

संवाददाता

लखनऊ। ग्रहों के राजा सूर्य की चाल बदलने से सभी 12 राशियां प्रभावित होती हैं। इस टाइम सूर्य शनि की मकर राशि में बैठे हुए हैं। जल्द ही सूर्य का गोचर मीन राशि में भी होगा। मीन गुरु की राशि है, जिसमें इस समय शनि देव विराजमान हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, लगभग 30 साल के बाद शनि और सूर्य देव मीन राशि में एक साथ नजर आएंगे। पिता और पुत्र का ये संगम कुछ राशियों के जीवन में बड़े बदलाव ला सकता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, मार्च के महीने में सूर्य देव मीन राशि में गोचर करेंगे। सूर्य के गोचर करते ही शनि और सूर्य की युति बनेगी।

धनु राशि : धनु राशि वालों आपके लिए 30 सालों के बाद शनि और सूर्य का संगम गुरु की मीन राशि में होना बेहद ही लाभदायक साबित हो सकता है। बिजनेस या नौकरी क्षेत्र में आपको लाभदायक डील प्राप्त हो सकती है। सूर्य-शनि के शुभ प्रभाव से आपकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो जाएगी। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। लाइफ पार्टनर के साथ चल रही मुश्किलें धीरे-धीरे समाप्त हो जाएंगी।

मिथुन राशि : 30 सालों के बाद शनि और सूर्य का संगम गुरु की मीन राशि में होना मिथुन राशि के जातकों को लाभ दे सकता है। आपके रुके हुए काम फिर से बनने लगेंगे। करियर में प्रमोशन पाने के योग बनेंगे। समृद्धि का आगमन होगा। कई जरूरी टास्क मिल सकते हैं, जिन्हें आपको बखूबी निभाना होगा। काम के सिलसिले में विदेश की यात्रा के योग बन रहे हैं। परिवार पक्ष से कोई अच्छा समाचार भी मिलेगा।

मीन राशि : 30 साल बाद शनि और सूर्य का संगम गुरु की मीन राशि में होना फायदेमंद माना जा रहा है। आपकी आर्थिक स्थिति में पहले से सुधार होगा। कॉन्फिडेंस से भरपूर महसूस करेंगे। इस दौरान नए कार्य की शुरूआत शुभ रहेगी। वैवाहिक जीवन भी मधुर रहेगा।

भाषा विवि में मनाया जा रहा सड़क सुरक्षा माह

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन भाषा विश्वविद्यालय ने कुलपति प्रो. अजय तनेजा के मार्गदर्शन में तथा उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशन में सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए आलू नगर दिगुड़िया के ब्लू वर्ड स्कूल के विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय शिक्षक, विद्यार्थीओ व राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई-7 के स्वयंसेवको ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ मनीष कुमार ने आप लोग अपने अपने घरों के हीरा हो जैसे हीरे अमूल्य होता ठीक वैसे ही आप लोग भी हीरा जैसे हीरा टूट जाने उसका मूल्य शून्य हो जाता है ठीक उसी प्रकार से अगर किसी रोड़ एक्सीडेंट में जन हानि होने पर उसकी परपाई नहीं हो सकती। डॉ उधम सिंह ने कहा अगर आपकी आयु 18 वर्ष से कम है और वहां चलाते जाते है या रोड एक्सीडेंट होता है तो आप और के पिता जी भी दंड के भागीदार हो सकते है। कार्यक्रम में डॉ. राजकुमार, विवेक सिंह ने प्रतिभाग किया।

सपना की अगुआई में महिलाएं करेंगी सामूहिक सुंदरकांड का पाठ

- 31 को लखनऊ से 15 बसों से कानपुरके लिए मातृशक्तियां होंगी रवाना

संवाददाता

लखनऊ। सनातन ध्वज वाहिका सपना गोयल की अगुआई में शनिवार 31 जनवरी को कानपुर के आनंदेश्वर महादेव मंदिर के गंगा जी घाट परिसर में वृहद सुंदरकांड पाठ का अनुष्ठान दोपहर 12 बजे से किया जाएगा। बुधवार 28 जनवरी को ईश्वरीय स्वप्नाशीष सेवा समिति की प्रमुख सपना गोयल ने संवाददाताओं को बताया कि कानपुर में आयोजित इस भव्य आध्यात्मिक अनुष्ठान में लखनऊ से जहां 15 बसों द्वारा मातृशक्तियां रवाना होंगी। वहीं प्रदेश भर से भी हजारों की संख्या में मातृशक्तियां इस महा अनुष्ठान में शामिल होंगी।

सपना गोयल के अनुसार कानपुर का आनंदेश्वर महादेव मंदिर एक जागृत सिद्धपीठ है, जिसका संबंध महाभारत काल में दानवीर कर्ण द्वारा की गई शिव अराधना से भी है। गंगा तट पर स्थित यह प्राचीन 'स्वयंभू' शिवलिंग अपनी अलौकिक शक्ति, आत्मिक शांति और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करने के लिए अत्यधिक आध्यात्मिक महत्व रखता है।

सपना गोयल ने बताया कि उनका एकमात्र लक्ष्य है कि संतों और ऋषियों की पावन भूमि, भारत एक बार पुनः विश्व गुरु के रूप में प्रतिष्ठित हो। भारत उत्थान के इस महा उद्देश्य की पूर्ति हेतु ईश्वरीय स्वप्नाशीष सेवा समिति की ओर से प्रतिदिन सुंदरकांड पाठ के साथ-साथ प्रत्येक सप्ताह मंगलवार और शनिवार को नजदीकी मंदिरों में सामूहिक सुंदरकांड का आयोजन, मातृशक्तियों द्वारा वृहद स्तर पर करवाया जा रहा है।

जयंती पर याद किये गये लाला लाजपत राय

संवाददाता

लखनऊ। इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन यूपी के तत्वावधान में बुधवार को महान स्वतंत्रता सेनानी पंजाब केसरी लाला लाजपत राय की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर प्रियदर्शिनी कॉलोनी स्थित संगठन के कार्यालय में फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक डा. नीरज बोरा सहित पदाधिकारियों ने लाला लाजपत राय के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

विधायक डा. नीरज बोरा ने कहा कि लाला लाजपत राय केवल स्वतंत्रता आंदोलन के अमर सेनानी ही नहीं थे बल्कि वे देश की आर्थिक आत्मनिर्भरता के प्रबल समर्थक और दूरदर्शी मनीषी भी थे। उन्होंने भारत के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए पंजाब नेशनल बैंक तथा लक्ष्मी बीमा कंपनी जैसी संस्थाओं की स्थापना की, जो आज भी राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि लाला जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, साहस और सामाजिक चेतना का प्रतीक है, जिससे आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरणा मिलती रहेगी।

इस अवसर पर संगठन के प्रदेश महामंत्री डा. अजय गुप्ता, प्रदेश मंत्री हेमंत दयाल, महानगर महामंत्री विशाल गुप्ता, रवि गुप्ता, संजीव अग्रहरि सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रमोद ने आरएसएस के इतिहास पर विस्तार से डाला प्रकाश

लखनऊ। लक्ष्मण बस्ती, बलराम नगर, लखनऊ पूरब भाग में एक भव्य हिंदू सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया। सम्मेलन में क्षेत्र के लगभग 500 लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सम्मेलन के मुख्य वक्ता प्रमोद ने अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्रह्मचारी अमृत चैतन्य जी महाराज ने वर्तमान सामाजिक परिस्थितियों में हिंदुत्व की कट्टरता एवं सांस्कृतिक चेतना की आवश्यकता पर प्रभावशाली विचार व्यक्त किए।

सम्मेलन की विशिष्ट अतिथि शशि ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पंच परिवर्तनों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलदीप त्रिपाठी ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डालते हुए नागरिक जागरूकता पर बल दिया। नगर स्तर से सपनेश (सामाजिक समरसता प्रमुख, बलराम नगर), विकास (बौद्धिक शिक्षण प्रमुख, बलराम नगर, लखनऊ पूरब भाग) एवं रितेश की उपस्थिति रही। मुख्य शिक्षक राज नारायण, शाखा कार्यवाह सुरेश, ओमेगा उप-बस्ती प्रमुख अरविंद, बस्ती प्रमुख विजय, सुधाकर, जितेंद्र, राकेश एवं डॉ. संजय उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मनीष दुबे, आरडी. सिंह, प्रणव सिंह, प्रदीप कुमार, राज बक्स सिंह, प्रशांत श्रीवास्तव, डॉ. संजय श्रीवास्तव, अनूप सिंह, पंकज पवार, सत्यदेव शुक्ला, संदीप मिश्रा, अमर सिंह, सुनील पाठक, देश दीपक मिश्रा एवं अरुण दुबे सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। इसके अतिरिक्त मातृशक्ति से नीलिमा, नेहा, काजल, सारिका एवं प्रतिभा की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम का मंच संचालन शिवकास नगर बौद्धिक शिक्षण प्रमुख, बलराम नगर द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। सम्मेलन का समापन राष्ट्र, समाज एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति समर्पण के संकल्प के साथ किया गया।

सनतकदा महोत्सव में दिखेगी कोलकाता व अवध की कला संस्कृति

लखनऊ। सनतकदा महोत्सव इस बार लेकर आ रहा है लखनऊ से कोलकाता का राब्ता। महोत्सव में अवध और कोलकाता की सांस्कृतिक और साहित्यिक गतिविधियों के साथ खानपान की साझा विरासतों का संगम देखने को मिलेगा। इस संबंध में टीम ने बताया कि आयोजन 30 जनवरी से तीन फरवरी तक सफेद बारादरी, राजा रामपाल सिंह पार्क और अमीरुद्दौला लाइब्रेरी होगा।

सनतकदा की सह निदेशक नगमा परवीन ने बताया कि इस बार कूचा-ए-बज्म-ए-हुनर में क्राफ्ट स्ट्रीट का आयोजन किया जाएगा। आगंतुकों को लाइव शिल्प प्रदर्शन देखने को मिलेंगे। इनमें शांतनु गुहा की कंथा कढ़ाई और सुहाना की पटचित्र पेंटिंग शामिल होंगी। पद्मश्री गोकुल दास और उनकी टीम ढाक वादन की प्रस्तुति होगी। हुस्न-ए-कारीगरी शोकेस में मास्टर कारीगरों से मुलाकात होगी। सेहर कार्यक्रम में शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति सरोद वादक उस्ताद मोहम्मद खान देंगे। नोबेल पुरस्कार विजेता अभिजीत बनर्जी का एक व्याख्यान होगा।

सवर्णों के खिलाफ खुला पक्षपात : विकास तिवारी

संवाददाता

लखनऊ। यूजीसी के नये नियम को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि के छात्र विकास तिवारी ने कहा कि यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन्स 2026 समानता के नाम पर सवर्णों के खिलाफ खुला पक्षपात और रिवर्स डिस्क्रिमिनेशन है। जनरल कैटेगरी को डिफॉल्ट दोषी ठहराना, बेवजह शिकायतों पर कोई सजा न होना, इक्वलिटी कमेटी में सवर्णों का प्रतिनिधित्व न होना, यह संविधान की भावना का अपमान है। तुरंत वापसी हो, निष्पक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित हो। मेढक पानी में आखिरी दम तक उबलता है। यही हाल अनारक्षित वर्ग का है।

एक मनगढंत कहानी के तहत तथाकथित ऐतिहासिक अपराध आपके मत्थे मंढ़कर कभी तमाम तरह के आरक्षण, कभी एससी एसटी एक्ट और अब यह यूजीसी की समता समिति का कानून लाया जा रहा है। देश सेवाओं की दक्षता घटने से निरंतर बर्बाद हो रहा है। समाज में आपके प्रति जहर भरा जा रहा है। हिन्दुत्व की एकता को वामपंथियों के ब्राह्मणवाद मिटाओ के नैरेटिव में फंसकर छिन्न-भिन्न किया जा रहा है। आप तापमान बढ़ने के साथ अनुकूलित होते रहिए। कुछ लोग हैं जिन्हें लगता है कि वामपंथियों के ब्राह्मणवाद - ठाकुरवाद मिटाओ के फर्जी नैरेटिव पर चलकर केंद्र सरकार देश का उपकार कर लेगी।

वामपंथी ब्राह्मणवाद - ठाकुरवाद का नाम लेकर पूरे अनारक्षित वर्ग के विरुद्ध समाज में जहर भरते हैं ताकि देश में योग्य नागरिकों का निर्माण न हो और इनकी देशद्रोह की राजनीति सफल हो जाए। अनारक्षित वर्ग इस देश की योग्यता का धारक है और व्यवस्था योग्य नागरिक ही बना सकते हैं । बिना व्यवस्था निर्माण के गांव-गांव स्वास्थ, शिक्षा आदि समान रूप से पहुंचाना असंभव है जिससे अवसर की समानता एवं हर व्यक्ति का संवैधानिक लक्ष्य कभी पूरा नहीं हो सकता।

आरक्षण, एससी एसटी एक्ट एवं अब यह यूजीसी की समता समिति वाला एक्ट गलत इस्तेमाल से अनारक्षित वर्ग को हतोत्साहित ही करेगा क्योंकि झूठी शिकायत पर दंड का प्रावधान नहीं है। अनारक्षित वर्ग को हतोत्साहित करना देश की योग्यता को हतोत्साहित करना है। यह स्पष्ट होना चाहिए कि हिंदू समाज से भाजपा है, भाजपा से हिंदू समाज नहीं है। वामपंथियों के नैरेटिव में फंसकर हिंदुओं में विभाजन के नित नए कानून बनाना भाजपा को कहीं का नहीं छोड़ेगा। यूजीसी के नए एक्ट वाली बात कृपया उठाई जाए। समता समिति में सामान्य वर्ग के छात्र की शिकायत पर भी सुनवाई होनी चाहिए और किसी भी कानून में बिना जांच दंड का प्रावधान न हो। साथ ही झूठी शिकायत करने वाले पर भी कार्रवाई का प्रावधान हो।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी प्रदीप अवस्थी द्वारा अमृतशील प्रिंटिंग प्रेस, ए. एस. पब्लिक कॉलेज, भवन संख्या -2 अमृतशील नगर रायबरेली रोड लखनऊ उ. प्र. से मुद्रित कराकर कार्यालय विविध सन्देश सी - 1437/3 इंदिरा नगर लखनऊ उ. प्र. से प्रकाशित,
संपादक : प्रदीप अवस्थी RNI NO:- UPHIN/2011/41620 नोट : सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ स्थित न्यायालय होगा E-mail-vividhsandesh123@gmail.com सम्पर्क :- 9838799599, 7080510556

संक्षेप

किशोरी ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला की समाप्त

संवाददाता

उन्नाव। दही थाना क्षेत्र में एक 15 वर्षीय किशोरी का शव उसके घर के कमरे में फंदे से लटका मिला। यह घटना मंगलवार देर शाम बाबूखेड़ा मजरा इछौली गांव में हुई, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।जानकारी के अनुसार, बाबूखेड़ा मजरा इछौली गांव निवासी राम नरेश की बेटी सुमन (15) ने कथित तौर पर मंगलवार देर शाम घर में दुपट्टे के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय घर में कोई सदस्य मौजूद नहीं था, क्योंकि परिजन खेत और बाजार गए हुए थे।शाम को जब परिजन वापस लौटे, तो उन्होंने घर का दरवाजा अंदर से बंद पाया। सुमन को आवाज देने पर कोई जवाब नहीं मिला, जिससे उन्हें अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद परिजनों ने कच्ची छत को खोदकर कमरे में प्रवेश किया, जहां सुमन का शव फंदे पर लटका देख वे सन्न रह गए। घटना की सूचना तत्काल दही थाना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतारकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए।मृतका के परिजनों ने बताया कि सुमन ने कक्षा आठवीं तक पढ़ाई करने के बाद स्कूल जाना छोड़ दिया था। हालांकि, परिजन आत्महत्या के पीछे कोई स्पष्ट कारण नहीं बता सके। पुलिस फिलहाल इसे संदिग्ध आत्महत्या मानकर जांच कर रही है और सभी पहलुओं पर गौर कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि किशोरी किसी मानसिक दबाव या पारिवारिक समस्या से तो नहीं जूझ रही थी।

अधिवक्ता एसोसिएशन ने यूजीसी कानून के समर्थन में एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

बांगरमऊ उन्नाव ,तहसील परिसर में बुधवार को अधिवक्ता एसोसिएशन के सदस्यों ने एकजुट होकर यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) द्वारा प्रस्तावित नए कानूनों और सुधारों के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद की। अधिवक्ताओं ने देश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार और कानूनी शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने की दिशा में यूजीसी के प्रयासों को ऐतिहासिक बताते हुए प्रधानमंत्री व शिक्षा मंत्री को संबोधित एक ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपा। एसोसिएशन के अध्यक्ष और पदाधिकारियों के नेतृत्व में सौंपे गए इस ज्ञापन में कहा गया कि यूजीसी द्वारा लाए जा रहे नए नियम न केवल छात्रों के भविष्य के लिए हितकारी हैं, बल्कि इनसे कानूनी पेशे में आने वाले नए युवाओं को भी बेहतर प्रशिक्षण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त होगी। अधिवक्ताओं ने निम्नलिखित बिंदुओं पर विशेष जोर दिया। यूजीसी के मानकों से उच्च शिक्षा में पारदर्शिता और गुणवत्ता आएगी।

घर में सोते समय महिला शिक्षामित्र की गोली मारकर हत्या

संवाददाता

उन्नाव। थाना असोहा क्षेत्र के ग्राम गोकुलपुर में मंगलवार देर रात हुई महिला की नृशंस हत्या से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मंगलवार रात करीब एक बजे अज्ञात व्यक्ति ने घर में सो रही श्रीकांति (40) पत्नी ओमकार पासी की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के समय पूरा परिवार घर में सो रहा था। अचानक गोली चलने की आवाज से घर और आसपास के लोग जाग गए, लेकिन तब तक हमलावर वारदात को अंजाम देकर फरार हो चुका था।

मृतका श्रीकांति गोकुलपुर प्राथमिक विद्यालय में पिछले करीब 14 वर्षों से शिक्षामित्र के पद पर तैनात थीं। वह अपने सरल स्वभाव और पढ़ाने के तरीके को लेकर गांव और विद्यालय में अच्छी पहचान रखती थीं। उनके परिवार में पति ओमकार पासी, 15 वर्षीय बेटा रौनक और 13 वर्षीय बेटी रिया हैं। मां की अचानक हुई हत्या से दोनों बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पति भी सदमे में है। परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

घटना की सूचना मिलते ही थाना असोहा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने पूरे घर और आसपास के क्षेत्र को घेराबंदी कर जांच शुरू की। मृतका के शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरने की औपचारिकता पूरी की गई और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। मौके पर फॉरेंसिक टीम ने भी पहुंचकर साक्ष्य एकत्र किए। घर के अंदर और बाहर से अहम सुराग जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस आसपास के रास्तों और गांव में आने-जाने वाले लोगों की जानकारी भी खंगाल रही है।

मृतका के पति ओमकार पासी पुत्र स्वर्गीय कृपाशंकर ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ तहरीर दी है। तहरीर के आधार पर थाना असोहा में हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि शुरूआती जांच में हत्या के कारणों का अभी स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है। आपसी रंजिश, पारिवारिक विवाद, व्यक्तिगत दुश्मनी सहित सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

घटना के बाद गांव में तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं। कोई इसे आपसी रंजिश से जोड़कर देख रहा है तो कोई किसी पुराने विवाद की आशंका जता रहा है। वहीं कुछ ग्रामीणों का कहना है कि महिला का स्वभाव मिलनसार था और किसी से कोई खुला विवाद नहीं था, ऐसे में हत्या की वजह समझ से परे है। गांव में दहशत का माहौल है और लोग रात में घरों से निकलने में डर महसूस कर रहे हैं।इस मामले में एसएसपी जयप्रकाश सिंह ने कहा कि हत्या की घटना बेहद गंभीर है। सभी पहलुओं पर गहन जांच की जा रही है और पुलिस की कई टीमें गठित कर दी गई हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जल्द ही मामले का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा।

फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिसके बाद हत्या के तरीके और समय को लेकर और स्पष्ट जानकारी सामने आने की उम्मीद है

छात्र छात्राओं को दी जा रही हैं निःशुल्क शिक्षा

संवाददाता

पुरवा, उन्नाव। युवाओं को रोजगार के लिए तैयार करने के उद्देश्य से फ्रीडम एम्प्लॉयबिलिटी अकादमी की शुरूवात दीपक चोपड़ा ने की थी। इसकी एक शाखा पुरवा नगर क्षेत्र में संचालित हो रही है। इस केंद्र पर वर्तमान में 75 छात्र-छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा दी जा रही है। यह एनजीओ देश के 11 राज्यों में सक्रिय है और आधुनिक तकनीकी शिक्षा के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रहा है।

फ्रीडम एम्प्लॉयबिलिटी अकादमी की उन्नाव में 2 मई 2024 को शुरूवात की गई थी। पुरवा तहसील क्षेत्र में पुरवा, मौरावां, हिलौली और लउवा क्षेत्रों में कार्य कर रहा है, जबकि चमियानी क्षेत्र में 2 फरवरी से कक्षाएं प्रारंभ की जाएंगी।

पुरवा नगर के मोहल्ला बेगमगंज स्थित केंद्र पर प्रतिदिन तीन कक्षाएं संचालित की जाती हैं। प्रत्येक कक्षा की अवधि 2 घंटे 20 मिनट होती है। एक कक्षा में 25 छात्र अध्ययन करते हैं, जिससे कुल 75 छात्रों को एक ही स्थान पर प्रशिक्षण मास्टर टीचर दिव्या गुप्ता के द्वारा दिया जा रहा है। यहां छात्रों को एक वर्ष का अक आधारित कोर्स कराया जा रहा है, साथ ही कम्युनिकेशन स्किल्स, इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स को भी पाठ्यक्रम का अहम हिस्सा बनाया गया है। कक्षाओं में आधुनिक शिक्षण व्यवस्था अपनाई गई है। छात्र छात्राओं की पढ़ाई के लिए 10 लैपटॉप और 15 टैबलेट का उपयोग किया जाता है, जिससे छात्रों को डिजिटल माध्यम से प्रशिक्षण मिल सके। यहां की टीचर दिव्या गुप्ता ने बताया कि इस केंद्र में 17 वर्ष से अधिक आयु के 15 छात्रों को एक वर्षीय कोर्स में शामिल किया गया है, जबकि शेष छात्र 18 वर्ष से अधिक आयु के हैं। क्षेत्रीय प्रबंधक अमित शुक्ला ने बताया कि कोर्स के दौरान 120 पाठ्यक्रम पूरे करने के बाद यदि कोई छात्र नौकरी करना चाहता है या अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू करना चाहता है, तो उसे उसके अनुसार विशेष मार्गदर्शन और काउंसलिंग भी दी जाती है।

इस अकादमी के उन्नाव के नॉर्थ एरिया में संचालन के लिए अनुभवी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका है जिसमें सीनियर एरिया मैनेजर सुदीप बाजपेई, एरिया मैनेजर अदनान अहमद, क्षेत्रीय प्रबंधक अमित शुक्ला द्वारा प्रशिक्षण कार्य को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया जा रहा है।

जनता के लिए गले की फांस बनता दिख रहा है एसआईआर

संवाददाता

पाटन, उन्नाव। सरकार द्वारा चलाये गये एस आई आर फॉर्म भरने को लेकर पूरे देश में अफरा तफरी मची हुई है। जिससे लगभग सभी कार्यों में पूरी तरह से रोक लग गई है। और ये प्रक्रिया पिछले कई महीनों से चल रही है जिससे स्कूली बच्चों की पढाई लिखाई पर भरपुर असर पडा.है।एक तरफ सरकार का नारा है सभी लोग शिक्षित बनो तो वहीं दूसरी तरफ सरकार द्वारा प्रत्येक तीसरे महीने में कोई न कोई नयी योजना निकाल दी जाती है। और उसमें शिक्षक से लेकर उच्च अधिकारियों तक के ऊपर खासा दबाव डाल दिया जाता है। जिससे स्कूली बच्चों की पढाई में पूरी तरह रोक लग जाती है। और जनता को भी पूरी सुविधा नही मिल पाती है। पिछले कई महीनों से एस आई आर फॉर्म को लेकर लगभग सभी विभागों के क्षेत्रीय अधिकारियों से लेकर उच्च अधिकारी तक पूरी तरह उसी में बिजी देखे जा रहे हैं। जिससे स्कूली बच्चों की पढाई, किसानों के कार्य व गरीब जनता के अन्य कई बार के कार्य पूरी तरह ठप्प हो गये हैं। यहां तक कि एस आई आर के चलते अब जनता को भी अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। सरकार द्वारा हर वर्ष एक नये कागज की मांग के चलते जनता पूरी तरह अस्त व्यस्त होती नजर आने लगी है ।जनता का कहना है कि प्रत्येक वर्ष कागज बनवाने में ही हजारों रुपये खर्च हो जाते हैं इतने कागज बनवाने के बाद भी हम जहां पहले थे वहीं पर आज भी हैं।

माघ शुक्ल पक्ष जया एकादशी का व्रत आज

संवाददाता

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। आचार्य ऋषि कान्त मिश्र ने बताया कि माघ शुक्ल पक्ष जया एकादशी व्रत दिनांक 29 जनवरी 2026 दिन गुरुवार को सभी सनातनी धर्मावलंबी भक्त श्रद्धा और विश्वास से युक्त होकर मनायें। सर्व मान्य काशी विश्व पंचांग शास्त्रीय मान्यता अनुसार स्मार्त और वैष्णव जन सभी के लिए मान्य व्रत रहेगा। तिल द्वादशी एवं प्रदोष व्रत 30 जनवरी शुक्रवार को किया जाये गा।माघी पूर्णिमा सन्त रविदास जयंती तथा व्रत तथा स्नान दान की पूर्णिमा शास्त्र सम्मत दिनांक 1 फरवरी रविवार को सभी सनातनी धर्मावलंबी भक्त श्रद्धा और विश्वास से युक्त होकर मनायें। आज ही शुक्रोदय सायं 6/5 बजे हो जायेगा और सब प्रकार के मांगलिक कार्य शुरू हो जायेंगे तथा माघ स्नान दान व्रत जप यम नियम आदि का विराम हो रहा है और शुक्र पश्चिम दिशा में उदय होगा। तथा प्राकृतिक परिवर्तन दिखाई देने लगेगा मौसम परिवर्तन के कारण नाना प्रकार के रोगों की उत्पत्ति होगी अतः समस्त जनमानस अपने अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें।

एसडीएम ने दिखाई मानवता की मिसाल

संवाददाता

उन्नाव, पुरवा। अक्सर देखा जाता है कि फरियादियों को घंटों इंतजार करना पड़ता है लेकिन वही आज, पुरवा उपजिलाधिकारी प्रमेश श्रीवास्तव ने आज दिन मंगलवार को तहसील में मानवता की एक मिसाल पेश की किया ज्ञात हो जानकारी के मुताबिक, एक वृद्ध महिला एसआईआर नोटिस की सुनवाई के लिए तहसील आई थीं, लेकिन अधिक उम्र और अस्वस्थता के कारण वह चलने-फिरने में असमर्थ थीं और पार्किंग में ही गाड़ी के पास बैठी रहीं। जब उनका बेटा चैंबर में नोटिस लेकर पहुंचा और माँ की मजबूरी बताई, तो एसडीएम ने बिना देर किए अपनी कुर्सी छोड़ी और खुद चलकर पार्किंग तक चलकरआ गए और मौके पर ही उनके हस्ताक्षर लेकर प्रक्रिया पूरी की। उपजिला अधिकारी की इस सदागीको देखकर कर्मचारी व जनता दंग रह गई तथा सादगी और मानवता की मिसाल कीसभी सराहना कर रहे हैं लोगों के मुंह से यही निकल रहा है ऐसे कर्तव्य निस्ठअधिकारी बहुत ही कम मिलते हैं और इसको लेकर सभी उनकी सराहना कर रहे हैं।

तीन वारंटी युवकों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता

उन्नाव। सोहरामऊ थाना पुलिस ने बुधवार को तीन वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। ये सभी अलग-अलग मामलों में वांछित थे और उच्चाधिकारियों के निर्देश पर चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत पकड़े गए। पुलिस ने ग्राम आशाखेड़ा निवासी मुकेश को गिरफ्तार किया। मुकेश आबकारी अधिनियम की धारा 60 के तहत वांछित था। इसके अतिरिक्त, ग्राम रुदवारा निवासी नरेश कुमार को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 (3) से संबंधित मामले में पकड़ा गया। वहीं, ग्राम रायपुर निवासी सोनू कुमार को भी गिरफ्तार किया गया है, जिसका मामला विशेष न्यायाधीश ईसी एक्ट की अदालत में विचाराधीन है। थाना प्रभारी अरविंद पांडेय ने बताया कि पकड़े गए तीनों अभियुक्त लंबे समय से न्यायालय में पेश नहीं हो रहे थे, जिसके कारण उनके खिलाफ वारंट जारी किए गए थे। पुलिस टीम ने आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी करने के बाद सभी अभियुक्तों को संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहाँ से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

स्वास्थ्य केंद्रों की बदहाली देख बिफरे मंडलीय अधिकारी, जर्जर भवन पर जताई नाराजगी

संवाददाता

पुरवा, उन्नाव। ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत परखने के लिए बुधवार को मंडलीय टीम ने पुरवा ब्लॉक के विभिन्न केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कहीं दवाओं के स्टॉक में खामियां मिलीं, तो कहीं जर्जर भवन और गंदगी देख अधिकारियों ने कड़ी नाराजगी जाहिर की। टीम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

चमियानी में जांची ओपीडी और लैब की व्यवस्था

मंडलीय अर्बन हेल्थ कोऑर्डिनेटर असित श्रीवास्तव और फैमिली प्लानिंग मैनेजर किन्दर लाल की टीम ने सबसे पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) चमियानी का रुख किया। यहाँ टीम ने दवाओं के स्टॉक रजिस्टर से लेकर लेबर रूम और प्रयोगशाला में होने वाली जांचों का गहनता से मिलान किया। वार्डों में साफ-सफाई का जायजा लेते हुए अधिकारियों ने मरीजों की सुविधा के लिए तत्काल निरीक्षण के दौरान गढ़ाकोला केंद्र की स्थिति देख मंडलीय टीम ने असंतोष जताया। यहाँ स्वास्थ्य केंद्र की इमारत काफी जर्जर हालत में मिली, जिससे भविष्य में हादसे की आशंका बनी रहती है। इसके साथ ही परिसर में गंदगी पाए जाने पर संबंधित स्टाफ को कड़ी फटकार लगाई गई और तत्काल सुधार की चेतावनी दी गई। मंडलीय टीम ने सीएचसी पुरवा सहित पीएचसी चमियानी, एएएम महरामऊ, त्रिपुरार पुर, तुसरौर और आयुष्मान आरोग्य मंदिर नाथी खेड़ा का भी सहयोगात्मक पर्यवेक्षण किया। टीम के सदस्यों ने बताया कि निरीक्षण की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर अपर निदेशक को भेजी जा रही है। इस अवसर पर सीएचसी अधीक्षक डॉ. प्रमोद कुमार, बीसीपीएम इसहाक अली, बीपीएम शिवाकांत तिवारी सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

वोटर लिस्ट दुरुस्त कराने को उमड़ी भीड़, नोटिस मिलने से मतदाताओं में मची खलबली

संवाददाता

पुरवा, उन्नाव। निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार तहसील मुख्यालय सहित असोहा, पुरवा और हिलौली ब्लॉकों में मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत विशेष कैंपों का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को मतदाता सूची में नाम बढ़वाने और त्रुटियां ठीक कराने के लिए विकास खंड कार्यालयों में लोगों की भारी भीड़ जुटी। हालांकि, मायके पक्ष के दस्तावेज मांगे जाने और नोटिस मिलने से कई मतदाताओं में ऊहापोह की स्थिति भी देखी गई। अभियान के दौरान उन मतदाताओं को विशेष रूप से नोटिस जारी किए गए हैं, जिनका विवरण पुरानी सूचियों से मेल नहीं खा रहा है। ग्राम बनिगांव की मालती और अश्वनी यादव ने बताया कि उन्हें वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मिलान न होने के कारण नोटिस मिला है, जिसमें मायके पक्ष के अभिलेख मांगे गए हैं। इसी तरह कोडरा गांव की सुनीता, संगीता, रामकुमारी और योगिता को भी पिता का नाम और मायके से संबंधित अन्य विवरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। मजरे जमुरपुर की निवासी सीमा ने अपनी समस्या बताते हुए कहा कि उनका नाम उनके मूल गांव की वोटर लिस्ट से हटकर पड़ोसी गांव की सूची में शामिल हो गया है। ऐसी ही तमाम तकनीकी त्रुटियों को सुधरवाने के लिए लच्छीपुर की नीरज कुमारी सहित दर्जनों मतदाता तहसील के चक्कर काटते नजर आए। खंड विकास अधिकारी संतोष श्रीवास्तव ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य पारदर्शी मतदाता सूची तैयार करना है। उन्होंने कहा कि प्राप्त सभी आपत्तियों और आवेदनों पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। जिन मतदाताओं को नोटिस दिए गए हैं, उनके दस्तावेजों का सत्यापन होते ही नाम संशोधित कर दिए जाएंगे। अधिकारियों द्वारा मौके पर ही निस्तारण की कार्रवाई की जा रही है।

अपनी कमाई से पैसे बचाकर स्कूल को दिए ढाई लाख

संवाददाता

पुरवा, उन्नाव।विकास खंड के ग्राम अढौली निवासी युवा संदीप सिंह युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन गए हैं उनके कृत्य की सराहना हो रही है शिक्षित होकर जब कमाई करने लगे तो आमदनी का बड़ा हिस्सा अपने बचपन के विद्यालय को देकर जो मिशाल कायम की तारीफ - ए - काबिल है ।प्रबंधक ने पूर्व छात्र के पैसे से कमरे का निर्माण कराया और 77 वें गणतंत्र दिवस पर लोकार्पण भी कराया। युवा संदीप सिंह का ताल्लुक एक सामान्य परिवार से है उनका मन बचपन से ही अपने स्कूल के विकास का सपना था कारण जब वह पढ़ते थे तब विवेक बाल विद्या मंदिर की जर्जर हालत थी उन्होंने सपने को साकार किया आमदनी से बचाकर स्कूल को ढाई लाख दिए।प्रबंधक रज्जन मिश्र ने कमरे का निर्माण करा कर छात्र संदीप को सौंपा बताते चलें कि राष्ट्रीय पर्व के मौके पर युवा संदीप सिंह कमरे का लोकार्पण कर विद्यालय परिवार के सुपुर्द कर दिया।अपने छात्र की खुले दिल से तारीफ करते हुए प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार शुक्ल ने कहा आज के युवाओं के लिए संदीप प्रेरणा श्रोत हैं लोकार्पण के मौके पर प्रधान डॉ संतोष दीक्षित, रामभरोसे सिंह, मोनू शुक्ल, सत्यप्रकाश शुक्ल, प्रदीप दीक्षित आदि मौजूद रहे।

दबंगों ने खड़ी कार में लगाई आग, कार जलकर हुई खाक

संवाददाता

बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में दबंगों ने आटा चक्की पर खड़ी कार में आग लगा दी। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। किंतु तब तक कार आग से जलकर खाक हो गई। ग्राम जगटापुर निवासिनी सुषमा देवी पत्नी विद्यासागर कटियार द्वारा कोतवाली पुलिस को दी गई तहरीर में कहा गया है कि उसने लखनऊ के एक दरोगा की कार महेंद्रा क्वांटो खरीदी थी। किंतु दरोगा का तबादला प्रयागराज हो जाने के चलते उसने कार अपने नाम स्थानांतरित नहीं करा पाई थी। बीते मंगलवार की रात उसकी कार उसकी आटा चक्की पर खड़ी थी। तभी करीब 12 बजे पड़ोसी गांव नसीरपुर भिक्खन निवासी दो दबंग भाइयों ने पुरानी रंजिश के चलते उसकी कार पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी।

अभ्युदय वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में पुरस्कृत हुए नौनिहाल

विकासखंड एवं जनपद के अधिकारियों ने किया पुरस्कृत

संवाददाता

अमौली, फतेहपुर। जनपद के अमौली विकासखंड अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय तारापुर में अभ्युदय वार्षिकोत्सव समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी श्रवण कुमार पाल द्वारा फीता काटकर किया गया वहीं विद्यालय पहुंचे खंड शिक्षा अधिकारी एवं विशिष्ट अतिथि एसआरजी राधेश्याम दीक्षित का विद्यालय के बच्चों ने मुख्य द्वार से बाजे गाजे के साथ स्वागत करते हुए आसन पर विराजमान किया विद्यालय प्रांगण अंतर्गत प्रधानाध्यापिका मनीषा शुक्ला की अगुवाई में बच्चों की खेल प्रतियोगिता चित्रलेखा प्रतियोगिता आदि संपन्न कराई गई वहीं पहुंचे अभिभावकों की भी प्रतियोगिता विद्यालय परिसर में संपन्न हुई मुख्य अतिथियों द्वारा प्रतिभागी विजेता प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पाने वाले बच्चों को खेलकूद का सामान बैडमिंटन थाली प्लेट इत्यादि देकर पुरस्कार किया गया वहीं अभिभावकों में भी विजेता अभिभावकों को पुरस्कार स्वरूप भेंट प्रदान की गई विद्यालय पहुंचे मुख्य अतिथियों का प्रधानाध्यापिका मनीषा शुक्ला सहायक अध्यापिका सुधा उत्तम ने प्रतीक चिन्ह भेंटकर स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया वही विद्यालय के बच्चों ने गीत संगीत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए मुख्य अतिथियों समेत समूचे जनमानस को भाव विभोर कर दिया कार्यक्रम में पहुंचे खंड शिक्षा अधिकारी एवं एस आर जी राधेश्याम दीक्षित ने अपना उद्बोधन करते हुए बच्चों में नवीन शिक्षा की प्रेरणा जागृत की वहीं सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं के बारे में भी विस्तार से चर्चा हुई विद्यालय के रखरखाव सौंदर्यीकरण वृक्षारोपण तथा अन्य व्यवस्थाओं को देखते हुए अधिकारियों ने प्रधानाध्यापक मनीषा शुक्ला एवं शिक्षिका सुधा उत्तम की जमकर प्रशंसा की इस मौके पर विद्यालय के अभिभावक संघ अध्यक्ष उमाकांत उपाध्यक्ष कुंती देवी अभिभावक सुमित्रा रचना रीना शशी रेखा पाल महेंद्र सिंह मनोज समेत भारी संख्या में ग्रामीण अभिभावक मौजूद रहे

यूजीसी के विरोध में जोरदार प्रदर्शन

-क्षत्रिय करणी सेना के साथ ब्राम्हण परशुराम संगठन व छात्रों का प्रदर्शन

संवाददाता

हरदोई। राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन मजिस्ट्रेट को सौंपा गया विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यूजीसी के विरोध में बुधवार को हरदोई शहर में युवाओं का गुस्सा सड़कों पर दिखाई दिया।अलग अलग स्थानों से बड़ी संख्या में छात्रों के साथ अन्य ने एकजुट होकर जनाक्रोश मार्च निकाला और केंद्र सरकार से इन नियमों को तत्काल वापस लेने की मांग की।क्षत्रिय करणी सेना के साथ ब्राम्हण परशुराम संगठन व सीएसएन कालेज से छात्रों का प्रदर्शन हुआ और विभिन्न स्थानों से मार्च कर कलेक्ट्रेट पहुंच ज्ञापन दिया गया इस दौरान प्रदर्शन कर रहे लोगों में कहाकि युवाओं का कहना है कि यह नियम शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करने वाले हैं और छात्रों के भविष्य पर सीधा असर डालेंगे।इस दौरान प्रदर्शन कर रहे छात्रों का आरोप था कि यूजीसी के नियम लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है और सरकार को जल्द ही यूजीसी को वापस लेना चाहिए।वहीं छात्रों और वक्ताओं ने यूजीसी को काला कानून बताते हुए इसे तुरंत निरस्त करने की मांग की।करणी सेना के जिलाध्यक्ष राजा ठाकुर ने कहा यूजीसी काला कानून जो लगाया है उसके विरोध में ही उनका प्रदर्शन है।उन्होनो कहा कि हमारी मांग है इस कानून का हटाया जाए क्योंकि यह कानून हमारी आपने वाली पीढ़ी के लिए खराब है।हरदोई में हुए इन प्रदर्शनों में कहा गया कि यह नियमों में असमानता और सवर्णों के हितों की अनदेखी के कारण किया जा रहा है।कहा कि पहले छात्रावास में वो दलित और पिछड़ा वर्ग के छात्रों के साथ बैठकर भोजन भी करते थे लेकिन अगर अब यह आलम रहा तो फिर कौन बैठेगा कोई भी बात होने पर मुकदमे लगा दिए जाएंगे एक साथ बैठने वाले छात्रों के साथ भी भेदभाव किया जा रहा है।इस कानून के माध्यम से छात्रों में फर्क किया जा रहा है यह काला कानून है ।

बीडीओ पर 20 लाख रिश्वत मांगने का आरोप

ब्लॉक कार्यालय के बाहर महिला धरने पर बैठी

घर तक रोड बनवाने के बदले मांगे रुपए

संवाददाता

शाहजहांपुर, के जलालाबाद विकास खंड कार्यालय के बाहर बुधवार को एक महिला ने धरना दिया। महिला ने खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) पर अपने घर तक सड़क बनवाने के बदले 20 लाख रुपये की रिश्वत मांगने का गंभीर आरोप लगाया है। हालांकि, बीडीओ ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है।

एसडीएम को दिया प्रार्थना पत्र

जलालाबाद थाना क्षेत्र के खंडहर गांव निवासी मालती कश्यप ने उप जिलाधिकारी के नाम प्रार्थना पत्र सौंपा। उन्होंने बताया कि वह टिकैत गुट की महिला जिलाध्यक्ष हैं। मालती कश्यप के अनुसार, वह बुधवार को अपने बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र बनवाने जलालाबाद ब्लॉक कार्यालय पहुंची थीं। 20 लाख रुपये मांगने का आरोप हिला का आरोप है कि खंड विकास अधिकारी विकास किशोर ने उनसे कहा कि यदि वह ग्राम प्रधान खंडहर और ग्राम पंचायत अधिकारी के खिलाफ लिखित शिकायत करती हैं, तो उन्हें 20 लाख रुपये देने होंगे। इसके बदले उनके घर तक इंटरलॉकिंग या डामर रोड बनवा दी जाएगी।

पहले से चल रहा है सड़क निर्माण विवाद

मालती कश्यप का कहना है कि करीब एक साल पहले ग्राम प्रधान निधि से सड़क निर्माण शुरू हुआ था, लेकिन उनकी गली से ईंटें हटाकर काम रोक दिया गया। इस मामले में उन्होंने उच्चाधिकारियों से शिकायत की थी, जिसके बाद जांच कमेटी गठित हुई थी। महिला ने आरोप लगाया कि जांच कमेटी में शामिल अधिकारियों ने शिकायत जारी रखने पर गंभीर परिणाम भुगतने और फर्जी मुकदमे दर्ज कराने की धमकी दी थी। उन्होंने रिश्वत मांगने और धमकी देने वाले अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

बीडीओ ने आरोपों को बताया बेबुनियाद

खंड विकास अधिकारी विकास किशोर ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने कहा कि महिला के मकान के बाहर पहले से खड़ंजा सड़क मौजूद है और वह उस पर इंटरलॉकिंग कराना चाहती हैं। बीडीओ के अनुसार, उन्होंने महिला से लिखित शिकायत मांगी थी ताकि नियमानुसार जांच कराई जा सके, लेकिन इसके बजाय महिला ने उन पर रिश्वत मांगने का आरोप लगा दिया। उन्होंने कहा कि लगाए गए आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद और तथ्यहीन हैं।